हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 55 ● भिलाई, मंगलवार 15 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

करंट की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

सुलतानपुर। घर के अंदर बिजली के करंट की चपेट में आकर अधेड़ बुरी तरह झुलस गया।गम्भीर हालत में इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी ले जाया गया।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।जहां इलाज के दौरान अधेड़ की मौत हो गई। कूरेभार थाना क्षेत्र के सरैया मझौवा गांव के पूरे डीगर, पांडे का पुरवा में करंट की चपेट में आने से अरुण पांडेय(50)पुत्र शिव शंकर पांडेय गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कूरेभार लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।चिकित्सक की सूचना पर पहुंची नगर कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भाऊपुर में 42.43 लाख के मनरेगा घोटाले का आरोप

फ्तेहपुर। मलवां विकासखंड की ग्राम पंचायत भाऊपुर में मनरेगा के 42 लाख 43 हजार रुपये के कथित घोटाले की शिकायत से हड़कंप मचा हुआ है। ग्राम प्रधान गंगाप्रसाद उर्फ केशव तिवारी पर मनरेगा के कार्यों में कथित अनियमितता, फर्जी भुगतान और अपात्र लोगों के नाम जॉबकार्ड बनवाकर सरकारी धन का दुरुपयोग कराने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीण की शिकायत पर ब्लॉक स्तर से गठित तीन सदस्यीय जांच टीम गांव पहुंची और मामले की पड़ताल शुरू कर दी। टीम ने बुधवार को छह मनरेगा मजदूरों शिवा, भइया लाल, ओम नारायण, नीलम, गंगाराम और राजरानी के बयान दर्ज किए। अधिकारियों के अनुसार मामले में कुल 59 लोगों के बयान लिए जाने हैं। अब तक तीन दौर की जांच में 20 ग्रामीणों के बयान दर्ज हो चुके हैं और पूरे प्रकरण की 10 बिंदुओं पर जांच की जा रही है। ग्रामीण रन्जन सिंह उर्फ रावेन्द्र सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी को शपथपत्र के साथ शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है।

गोंडा व्यापारी हत्याकांड को लेकर संजय सिंह का योगी सरकार पर हमला, कहा-कानून का इकबाल खत्म

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था और गोंडा में व्यापारी विनोद कुमार साहनी की हत्या को लेकर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से जारी बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में कानून का इकबाल पूरी तरह समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश सरकार में शामिल कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद को अपनी ही पुलिस के रवैये के खिलाफ न्याय की मांग को लेकर केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस के बाहर धरने पर बैठना पड़ रहा है।

यूसूफ पठान समेत 3 मुस्लिम एमपी बाहर से समर्थन देंगे

ममता के 20 बागी सांसदों में 17 बीजेपी में शामिल होंगे

नई दिल्ली/ एजेंसी

ममता बनर्जी के 20 बागी सांसदों में से 17 बीजेपी में शामिल होंगे। जबकि यूसूफ पठान समेत 3 मुस्लिम सांसद बाहर से बीजेपी को समर्थन देंगे। इसका दावा सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने दिया है। ममता बनर्जी की टीएमसी से एनसीपीआई में आए सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने 19 एनसीपीआई सांसदों को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि 20 में 17 सांसद दुर्गा पूजा से पहले ही बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी के हाथों करारी शिकस्त मिलने के बाद ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी दो भागों में टूट गई थी। टीएमसी के 20 सासंसद नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे। अब एनसीपीआई सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने बड़ा बयान देते हुए दावा किया कि 20 बागी सांसदों में 17 बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। जबकि यूसूफपठान समेत 3 मुस्लिम सांसद बाहर से मोदी सरकार को समर्थन देंगे। दुर्गा पूजा से पहले 17 एनसीपीआई सांसद बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। जबकि जबकि यूसूफपठान समेत 3 मुस्लिम सांसद बाहर से बीजेपी को समर्थन देंगे। जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने कहा कि सांसद अबू ताहिर और खलीलुर रहमान को अलग-अलग विभाग दिए जाएंगे और वे एनडीए का समर्थन भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि उनके चुनाव क्षेत्र में ज्यादातर

अल्पसंख्यक इलाके शामिल हैं, इसलिए वे सीधे तौर पर बीजेपी में नहीं जा सकते। इससे उन्हें कई दिक्कतें हो सकती है। एनसीपीआई सांसद ने दावा किया है कि बीजेपी ने ही हमें एनसीपीआई में शामिल कराया था। हालांकि हम सब बीजेपी में शामिल होना चाहते थे। ममता की पार्टी छोड़कर जगदीश बर्मा बसुनिया ने कहा कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो हममें से 20 में से 17 सांसद दुर्गा पूजा से पहले ही बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। इधर नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया पर भी लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कूचबिहार से सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया रविवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच अपने घर लौटे। उनके लौटने की खबर फैलते ही सिताई में राजनीतिक तनाव बढ़ गया। लोगों और बीजेपी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने सांसद के घर के सामने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व टीएमसी सांसद पर पिछले 15 सालों के दौरान राजनीतिक प्रभाव का कथित दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार के जरिए संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है। साथ ही राइस मिल समेत कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान खड़े करने के भी आरोप लगाए हैं। प्रदर्शनकारियों ने उनके टीएमसी से एनसीपीआई में जाने को लेकर भी निशाना साधा है।

तीन मुस्लिम सांसदों की बीजेपी को ना....

बसुनिया ने कहा कि हालांकि, इन 20 सांसदों में से अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले तीन सांसद औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियां इसके अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि सांसद अबू ताहेर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफपठान बाहर से एनडीए को समर्थन देंगे। बसुनिया ने कहा, ''वे राजग का समर्थन करेंगे और उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां या विभाग दिए जा सकते हैं। बसुनिया का यह बयान उनके और उनकी पत्नी एवं तृणमूल विधायक संगीता रॉय के कूचबिहार के सिताई स्थित पैतृक घर लौटने पर विरोध प्रदर्शन का सामना किये जाने के कुछ दिन बाद आया है। बसुनिया के राजनीतिक रुख में बदलाव की आलोचना के बीच स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने दंपति के खिलाफप्रदर्शन किया था। इस दौरान उनके आवास के पास स्थित तृणमूल के एक कार्यालय में भी कथित तौर पर आग लगा दी गई थी।

बुनियादी सुविधाओं और मान्यता ना होने पर एक्शन

22 जिलों के बाद 252 मदरसों पर लगा ताला..

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के शिक्षा और प्रशासनिक ढांचे को बेहतर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने अमान्य मदरसों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया है। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग द्वारा जून महीने से कोलकाता सहित राज्य के 22 जिलों में चलाए गए एक विस्तृत सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर यह सख्त कदम उठाया गया है। जांच के दौरान पाया गया कि कई मदरसे बिना किसी वैध सरकारी मान्यता, उचित कागजात और बुनियादी शैक्षणिक सुविधाओं के चलाए जा रहे थे, जिसके बाद प्रथम चरण में 252 मदरसों को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश

जारी किया गया है। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के अनुसार, सरकार के पास लगातार अनधिकृत मदरसों के संचालन और मानकों की अनदेखी की शिकायतें आ रही थीं। राज्यभर में कराए गए जमीनी सर्वे के दौरान शैक्षणिक परिसर की स्थिति, खेल के मैदान, सुरक्षा व्यवस्था और मान्यता से जुड़े प्रमाण पत्रों की पड़ताल की गई।

जिनपिंग-मोदी पहल का असर

चीन ने भारतीय सेना की शर्त मानी,एलएसी पर सेना की तैनाती में कमी,गलवान झड़प के बाद ऐसा पहली बार....

नई दिल्ली/ एजेंसी

ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने आए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात का असर 24 घंटे के अंदर दिखने लगा है। चीन ने भारतीय सेना की शर्त मानते हुए वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर सेना की तैनाती में कमी कर दी है। रक्षा मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने भारत से सटी एलएसी पर अपनी पीएलए-सेना की तैनाती में भी भारी कमी की है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक एलएसी के सभी सेक्टर (पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक), भारतीय सेना की तैनाती बेहद मजबूत और अच्छी स्थिति में है और वह किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में 2025 में उत्तरी सीमा के सामने चीनी सैनिकों की संख्या में कमी का उल्लेख है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल यानी वर्ष 2025 में उत्तरी सीमाओं के सामने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तैनाती में उल्लेखनीय कमी देखी गई। रिपोर्ट को हाल में रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। रिपोर्ट से ऐसा

प्रतीत हो रहा है कि 2024 में डिसएंगेजमेंट की प्रक्रिया के बाद चीनी सेना अब भारतीय सेना की 'डि-एस्केलेशन' (सीमा पर सैनिकों की कमी) की दूसरी शर्त मान गई है। हालांकि अभी 'डि-इंडक्शन' यानी पूरी तरह सैनिकों को बैरक में भेजना की तीसरी शर्त बाकी है। तभी 2020 यानी गलवान घाटी की झड़प से पहले वाली स्थिति एलएसी पर कायम हो पाएगी। दूसरी तरफअरुणाचल प्रदेश में भी पिछले एक महीने से भारत और चीन की सेनाओं के बीच अपर-सुबानसनी इलाके में फेस-ऑफ चल रहा है। गतिरोध को खत्म करने के लिए भारत और चीन के कोर कमांडर स्तर की दो (02) बार बैठक हो चुकी है। हालांकि तनाव बरकरार है। चीन की कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड, भारतीय सेना की एक डिवीजन की बराबर होती है यानी 14-15 हजार सैनिक। ऐसे में अगर एलएसी पर चीन की पीएलए की 10 कंबाइंड ब्रिगेड तैनात हैं तो मान सकते हैं कि अभी करीब डेढ़ लाख सैनिक एलएसी पर तैनात हैं।

तरुण तेजपाल गोवा की अदालत किया सरेंडर

रेप केस में हुआ दस साल का सश्रम कारावास,भेजे गए जेल

नई दिल्ली/ एजेंसी

तहलका के पूर्व एडिटर इन चीफ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की अदालत के सामने सरेंडर कर दिया। उन्हें 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में 10 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। सरेंडर के बाद उन्हें उत्तर गोवा के कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया गया। तेजपाल को अब हाई कोर्ट से मिली सजा के तहत जेल में रहना होगा। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने सरेंडर से छूट देने की उनकी मांग भी खारिज कर दी थी। यह मामला

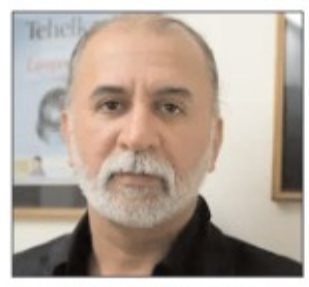

नवंबर 2013 का है, जब गोवा में पत्रिका की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में जूनियर महिला सहकर्मी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगा था। सुप्रीम कोर्ट ने तेजपाल की दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली अपील पर 22 सितंबर को सुनवाई तय की है। हालांकि, इसके लिए उन्हें सरेंडर के कागजात दाखिल करना जरूरी है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अगर यह प्रमाण पत्र 21 सितंबर तक दाखिल कर दिया जाता है, तो आपराधिक अपील को 22 सितंबर को नियमित पीठ के सामने सुनवाई के लिए लगाया जाएगा। तेजपाल ने 20 अगस्त को बॉम्बे हाई कोर्ट के 6 अगस्त के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। हाई कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए 10 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 6 अगस्त को तेजपाल की बरी होने की पुरानी अदालत की सुनवाई को पलट दिया था।

दिल्ली के स्वरूप नगर में गोदाम में आग लगने से 2 की मौत, कई घायल

नईदिल्ली। दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आ रही है। यहां एक गोदाम में भीषण आग लगने से कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई है। इस बीच आग लगने से मची उथल-पुथल में सामने की इमारत के निवासियों ने अपने घरों से छलांग लगा दी। इस वजह से 6 लोग घायल भी हो गए हैं। मौके पर दमकल की 15 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना स्वरूप नगर की गली नंबर 2 में स्थित जूडो ड्रेस और बॉक्सिंग ग्लव्स बनाने वाली फैक्टरी में हुई है। घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें एक इमारत से धुंआ निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी सौगात

अब हिन्दी में आएगा फैसले का सारांश और वीडियो बुलेटिन.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

हिंदी दिवस यानी 14 सितंबर के मौके पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने देशवासियों को बड़ी सौगात दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब हिंदी में एक नई पब्लिक इन्फॉर्मेशन सर्विस (जन-सूचना सेवा) शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत, चुने हुए अहम फैसलों और आदेशों का आसान हिंदी सारांश उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, मुख्य फैसलों को समझाने के लिए रोज़ाना 15-30 मिनट के ऑडियो और वीडियो बुलेटिन भी जारी किए जाएंगे। हिंदी दिवस पर घोषित इस पहल

का मकसद सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसलों और उनके असर को आम नागरिकों और मुकदमेबाजों तक आसानी से पहुंचाना है, खासकर उन लोगों तक जिन्हें लंबे कानूनी दस्तावेज पढ़ने या समझने में मुश्किल होती है। एक प्रेस बयान में कहा गया है कि जरूरी इंतजाम पूरे होने के बाद जल्द ही यह हिंदी सेवा शुरू कर दी जाएगी। हर सारांश के साथ संबंधित आधिकारिक फैसले या आदेश का लिंक भी दिया जाएगा, ताकि यूज़र्स कोर्ट के असली दस्तावेज तक पहुंच सकें। ऑडियो और वीडियो बुलेटिन का मकसद अहम फैसलों, उनके असर और उनसे जुड़ी आगे की कार्रवाई को समझने का आसान जरिया उपलब्ध कराना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस पहल से दिव्यांग लोगों को भी फायदा होगा। शीर्ष अदालत ने न्याय तक पहुंच को अधिक समावेशी बनाने के उद्देश्य से हिंदी में नई 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की ये घोषणा की है।

एफएटीएफ की बैठक से पहले पाकिस्तान की नई पैंतरेबाजी

आतंकी मसूद अजहर पर घोषित किया 70 लाख रूपए का इनाम

नई दिल्ली/ एजेंसी

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की बैठक से पहले भीख (आर्थिक मदद) लेने के लिए पाकिस्तान ने नई चाल चली है। पेरिस में होने वाले एफएटीएफ की बैठक से पहले पाकिस्तान ने आतंकी मसूद अजहर का वारंट निकाला है। पाकिस्तान ने मसूद अज़हर पर 70 लाख रुपये के इनाम का ऐलान किया है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय जांच एजेंसी की मोस्ट वांटेड आतंकियों की रेड बुक में जैश-ए-मोहम्मद सरगना पर इनाम का ऐलान किया गया है। खुद को आतंक पीड़ित देश दिखाने और आर्थिक मदद लेने के लिए पाकिस्तान ने ये नई चाल चली है। पाकिस्तान ने आतंकी गतिविधियों पर नजर रखने वाली ब्लैकलिस्ट की ग्रे लिस्ट से निकलने और मसूद पर कार्रवाई ना करने के लिए साल 2021 में दुनिया को बरगलाना शुरू किया था। पाकिस्तान का दावा है कि मसूद अजहर पाकिस्तान से गायब हो गया है और अफगानिस्तान में है। जबकि भारतीय खुफिया एजेंसियों की टेक्निकल एनालिसिस में सामने आ रहा है कि मसूद अज़हर पाकिस्तान के ही सिंध प्रांत के नवाबशाह शहर में छुपा हुआ है। 2021 में भी एफआईए ने मसूद अजहर पर 50 लाख का इनाम रखा था। 5 साल के बाद दुनिया की आंख में धूल झोंकने के लिए इस इनाम को 20 लाख और बढ़ाया गया है। एफआईए की मोस्ट वांटेड आतंकियों की नई अपडेटेड सूची में 26/11 आतंकी हमले में आर्तकियों की मदद करने पैसे देने, बोट का संचालन करने वाले 19

आर्तकियों के भी नाम है, जिसमे 17 आर्तकियों की फोटो और 26/11 में उनकी भूमिका भी जिक्र है। हालांकि 2 आर्तकियों की फोटो, लश्कर ए तैयबा के साथ उनके रिश्ते और 26/11 में उनकी पूरी भूमिका का जिक्र पाकिस्तान ने हटा दिया है और सिर्फउनके नाम रखे हैं। इसी तरह पाकिस्तान के बहावलनगर के रहने वाले लश्कर ए तैयबा के आतंकी अब्दुल रहमान की भी तस्वीर और लश्कर के साथ उसके संबंध को एफआईए ने अपनी सूची से हटाया है। 2021 की एफआईए की सूची में इन दोनों की फोटो और भूमिका का जिक्र था। एफआईए की मौजूदा सूची में 26/11 आतंकी हमले में आर्तकियों को दो बोटों अल हुसैनी और अल फ़ौज से समुद्र पार करवाने वाले लश्कर ए तैयबा के 11 आर्तकियों के नाम हैं। मुल्तान के रहने वाले मुहम्मद अमजद ख़ान, बहवालपुर के शाहिद गफूर, साहीवाल के मोहम्मद उस्मान, लाहौर के अतीक उर रहमान, हाफ़िज़ाबाद के रियाज़ अहमद, गुजरांवाला के मुहम्मद मुश्ताक, डेरा गाजी ख़ान के मुहम्मद नईम, कराची के अब्दुल शकूर, मुल्तान के मुहम्मद साबिर सल्फी, लोधरान के मुहम्मद उस्मान और रहीम यार ख़ान के शकील अहमद के नाम हैं। पाकिस्तान की फ़ेडरल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी के मुताबिक़ 26/11 आतंकी हमले में शामिल ये सभी 17 आतंकी 18 साल से फ़रार हैं। हालांकि भारतीय खुफ़िया विभाग के सूत्रों के मुताबिक़ ये सभी 17 आतंकी पाकिस्तान में ही हैं।

पाकिस्तान में आतंकियों की संख्या में भी 35 प्रतिशत इजाफा

पाकिस्तान की फ़ेडरल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी के मुताबिक़ 26/11 आतंकी हमले में शामिल ये सभी 17 आतंकी 18 साल से फ़रार हैं। हालांकि भारतीय खुफ़िया विभाग के सूत्रों के मुताबिक़ ये सभी 17 आतंकी पाकिस्तान में ही हैं।पांच साल में पाकिस्तान में आर्तकियों की संख्या में भी 35 प्रतिशत इजाफ़ा हुआ है। प्रतिशत की 2021 की रेड बुक में पाकिस्तान में 1330 मोस्ट वांटेड आतंकी थे। जबकि 5 साल में पाकिस्तान में मोस्ट वांटेड आर्तकियों की संख्या बढ़ कर 1804 हो गई है।

भोरमदेव शक्कर कारखाने ने लगातार दो वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर रचा नया कीर्तिमान

कवर्धा. भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। कारखाने को पेराई सत्र 2024-25 और 2025-26 में सर्वोच्च शुगर रिकवरी के लिए लगातार दो वर्षों तक हाइएस्ट शुगर रिकवरी एफिशिएंसी अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन, नई दिल्ली द्वारा दिए जाने वाले इस प्रतिष्ठित सम्मान से भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने की तकनीकी दक्षता, बेहतर प्रबंधन और प्रभावी संचालन को राष्ट्रीय पहचान मिली है। दोनों पेराई सत्रों के पुरस्कार 22 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे। समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के शामिल होने की जानकारी है। केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री, सहकारी क्षेत्र के प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और देशभर की सहकारी चीनी मिलों के प्रतिनिधियों की भी समारोह में मौजूदगी रहेगी। लगातार दो पेराई सत्रों में सर्वोच्च शुगर रिकवरी की श्रेणी में चयनित होना भोरमदेव कारखाने के लिए विशेष उपलब्धि मानी जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाला यह सम्मान न केवल कारखाने की कार्यक्षमता को रेखांकित करता है, बल्कि कबीरधाम जिले के गन्ना उत्पादक किसानों और सहकारी क्षेत्र की मेहनत को भी सम्मान दिलाता है। नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन देश की लगभग 260 सहकारी चीनी मिलों और नौ राज्यस्तरीय चीनी महासंघों का प्रतिनिधित्व करता है। फेडरेशन द्वारा हर वर्ष सहकारी चीनी मिलों के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का मूल्यांकन कर पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इनमें गन्ना विकास, तकनीकी दक्षता, वित्तीय प्रबंधन, शुगर रिकवरी, डिस्टिलरी संचालन, सामाजिक दायित्व और मिल के समग्र प्रदर्शन जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। भोरमदेव कारखाने की इस उपलब्धि में अंशधारी कृषकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। किसानों द्वारा गुणवत्तापूर्ण गन्ने की आपूर्ति के साथ कारखाने के अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और कर्मचारियों की मेहनत ने बेहतर शुगर रिकवरी हासिल करने में योगदान दिया। पेराई प्रक्रिया के प्रभावी संचालन और तकनीकी प्रबंधन ने भी कारखाने के प्रदर्शन को मजबूती प्रदान की। लगातार दो वर्षों तक राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित होने से कारखाने से जुड़े किसानों और कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। क्षेत्रवासियों ने इसे कबीरधाम जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कारखाना प्रबंधन, अंशधारी कृषकों और कर्मचारियों को बधाई दी है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि बेहतर तकनीकी प्रबंधन, किसानों की सहभागिता और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता के साथ सहकारी क्षेत्र की संस्थाएं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने का लगातार दो वर्षों का प्रदर्शन आने वाले समय में क्षेत्र के गन्ना किसानों के लिए भी उत्साहवर्धक माना जा रहा है।

जय स्तंभ चौक पर हुआ भव्य दही हांडी मटकी फोड़ प्रतियोगिता,शक्ती की टीम मारी बाजी

सरायपाली। जन्माष्टमी के अवसर पर सरायपाली नगर पूरी तरह कृष्णमय नजर आया। भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, उत्साह और उमंग के बीच विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा नगर के हृदय स्थल जय स्तंभ चौक पर भव्य दही हांडी मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए और पूरा जय स्तंभ चौक जय कन्हैया लाल की तथा हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठा। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में विभिन्न स्थानों से पहुंची टीमों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया। ऊंचाई पर बांधी गई दही हांडी को फोड़ने के लिए प्रतिभागियों ने मानव पिरामिड बनाया। एक के बाद एक टीमों के प्रयास के साथ प्रतियोगिता रोमांचक होती गई। मटकी तक पहुंचने के दौरान टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। वहीं नीचे मौजूद दर्शकों ने तालियों और जयकारों के साथ प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। रोमांचक मुकाबले में सक्ती की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर बाजी मारी। टीम द्वारा मटकी फोड़ते ही जय स्तंभचौक पर उत्साह की लहर दौड़ गई। युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। डीजे और धार्मिक गीतों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजन को लेकर प्रशासन भी मुस्तैद रहा। जय स्तंभचौक पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बावजूद व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन और पुलिस की सक्रियता नजर आई। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं, प्रतिभागियों और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित इस भव्य प्रतियोगिता ने नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक रौनक को और बढ़ा दिया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता के दौरान देर तक जय कन्हैया लाल की के जयघोष से सरायपाली गूंजता रहा और श्रद्धा, उत्साह तथा रोमांच से भरे इस आयोजन ने नगरवासियों को यादगार पल दिए।

अर्पिता हास्पिटल्स के पूर्व संचालक सत्येन्द्र प्रधान चेक बाउंस मामले में दोषी, 6 माह की सजा

सरायपाली। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सरायपाली प्रगति गुर्दे के न्यायालय ने चेक बाउंस के दो अलग अलग मामलों में आरोपी सत्येंद्र प्रधान पिता सीताराम प्रधान, पूर्व संचालक अर्पिता हॉस्पिटल्स सरायपाली को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोनों मामलों में आरोपी को छह-छह माह के साधारण कारावास के साथ चेक राशि के आधार पर प्रतिकर राशि जमा करने का आदेश दिया है। सरायपाली के मेडिकल व्यवसायी सुनील कुमार अग्रवाल के पुत्र अक्षत अग्रवाल की ओर से प्रस्तुत परिवाद से संबंधित है। परिवाद के अनुसार सत्येंद्र प्रधान द्वारा संचालित अर्पिता हॉस्पिटल में मेडिकल स्टोर संचालन के नाम से किए गए एडवांस और लेनदेन के हिसाब-किताब के भुगतान के लिए दो चेक दिए गए थे। दोनों चेक बैंक में प्रस्तुत किए जाने पर बाउंस हो गए। पहला मामला 15 लाख रुपए का चेक बाउंस होने पर न्यायालय ने आरोपी पर 19 लाख रुपए प्रतिकर और छह माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई। दूसरा मामला 14 लाख 51 हजार रुपए का चेक बाउंस होने पर न्यायालय ने 16 लाख रुपए प्रतिकर और छह माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई। दोनों चेक बाउंस होने के बाद राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर वर्ष 2018 में न्यायालय के समक्ष परिवाद दायर किया गया था। करीब आठ वर्ष तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोनों मामलों में दोषी करार दिया। परिवादी के अधिवक्ता प्रतिकार की राशि से संतुष्ट नही है, क्योंकि चेक बाउंस के मामले में चेक की राशि के दुगने तक का अर्थ दंड का प्रावधान है। प्रकरण में परिवादी की ओर से देवेंद्र शर्मा एवं बिरेश कुमार भोई ने पैरवी की।

हाई स्कूल मानिकपुर में ताले तोड़कर लैपटॉप, साउंड बॉक्स और माइक चोरी

बेमेतरा। शासकीय हाई स्कूल मानिकपुर में अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। प्राचार्य की रिपोर्ट पर थाना नवागढ़ में मामला दर्ज किया गया है। प्राचार्य एम आर कोसरिया ने बताया कि वे शासकीय हाई स्कूल मानिकपुर में प्राचार्य के पद पर पदस्थ हैं। स्कूल परिसर में दो अलग-अलग भवन बने हुए है, जिसमें अलग-अलग कक्षाएं लगती है। स्कूल लगने का समय सुबह 10.00 बजे से शाम 04.00 बजे तक है,। रोज की तरह बुधवार को शाम करीब 04.00 बजे स्कूल की छुट्टी होने के बाद स्कूल में ताला बंद कर चले गये थे। गुरूवार को सुबह करीब 09.00 बजे सफाईकर्मी लीलाराम साहू ने स्कूल स्कूल स्टाफको बताया कि स्कूल में चोरी हो गई है। टीचर परमेश्वर साहू की सूचना पर स्कूल जाकर देखा तो स्कूल के मेन गेट का ताला टूटा हुआ था, अंदर जाकर देखा तो ऑफिस कमरा के दरवाजे का भी ताला टूटा हुआ था। सामान बिखरा हुआ था। कमरा अंदर रखे एक नग ब्लैक कंपनी का लैपटॉप एवं एक नग जेब्रोनिक कंपनी का साउंड बॉक्स व माईक नहीं था तथा स्कूल परिसर के दूसरे भवन का मेन गेट का ताला भी टूटा हुआ था, जिसके अंदर जाकर देखा तो वहाँ के भी ऑफिस कमरा का ताला टूटा हुआ था। कमरा में सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने स्कूल भवन के उक्त दोनों कमरों में रखे -. HP कंपनी के 2 नग लैपटॉप, कीमती करीब 20,000 रुपये प्रति नग. एक नग जेब्रोनिक कंपनी का साउंड बॉक्स, दो नग माईक कीमती करीब 5,000 रूपए कुल कीमती करीब 45 से 50 हजार रुपये का सामान पार कर दिया है। प्राचार्य ने बताया कि शुक्रवार को नवागढ़ पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा जिला किसान संघ ने की अधिकारों की मांग को लेकर बैठक

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा/जिला किसान संघ बालोद के द्वारा लगातार डौंडीलोहारा क्षेत्र में बैठक कर स्व. नियोगी की शहादत को याद किया जा रहा । इसी कड़ी में 13 सितंबर को ग्राम माटरी में बैठक सम्पन्न हुई जहां किसान, मजदूर, युवा और स्थानीय अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा द्वारा शंकर गुहा नियोगी की शहादत और उनके संघर्षो को गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से क्षेत्र में बैठकों का सिलसिला जारी है, बैठक में नियोगी द्वारा क्षेत्र के किसान-मजदूरों के हित में किए गए संघर्षों को याद करते हुए उनके विचारों और संघर्ष के रास्ते को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि शंकर गुहा नियोगी ने हमेशा किसान, मजदूर, महिला, युवा और आम जनता को संगठित कर उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने का रास्ता दिखाया। आज भी ग्रामीण क्षेत्र के लोग अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में उनके संघर्षों को केवल याद करने के बजाय नियोगी के बताए रास्ते पर चलते हुए जनसमस्याओं के खिलाफ संगठित संघर्ष खड़ा करने की जरूरत है। बैठक में क्षेत्र की कृषि समस्याओं पर विशेष चर्चा हुई। किसानों ने खाद की समस्या, फसलों में लगातार होने वाली बीमारियों, सिंचाई के अभाव और बांधों के अधूरे कार्यों को लेकर चिंता जताई। किसानों का कहना था कि पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था नहीं होने के कारण खेती प्रभावित हो रही है और सरकारी योजनाओं के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की समस्या बनी हुई है। बैठक में खरखरा बांध की ऊंचाई बढ़ाए जाने के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया गया। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि बांध की ऊंचाई बढ़ने से आसपास के गांवों के डूब प्रभावित होने का खतरा पैदा होगा। बैठक में कहा गया कि स्थानीय ग्रामीणों की सहमति और उनके भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना ऐसा कोई निर्णय स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मास्टर चेतांश के जन्मदिन पर 'न्योता भोज' का आयोजन

दल्लीराजहरा। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नया बाजार दल्लीराजहरा में मास्टर चेतांश के शुभ जन्मदिन के अवसर पर विशेष 'न्योता भोज' कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर नन्हें चेतांश की दादी मां सरस्वती यादव वार्ड नंबर 26, राजहरा द्वारा शाला परिवार के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के 117 विद्यार्थियों, 6 शिक्षक स्टाफ एवं 6 अन्य कर्मचारियों सहित सभी के लिए स्वादिष्ट पुलाव, छोले, पापड़ और चॉकलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं शाला परिवार ने बालक चेतांश को दीर्घायुष्मान् भव बाल! विद्यावान् गुणवान् भव। सदा NC: प्रसन्नश्च, जीवने सफ्लो भवा॥ के श्लोक के साथ उज्ज्वल भविष्य और दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया। इस न्योता भोज कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य गोरे , पूर्व एसएमडीसी अध्यक्ष रमेश गुज्जर तथा समस्त मिडिल स्कूल स्टाफ की उपस्थिति रही। सभी ने आयोजक परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बच्चे के सुखद व सफल जीवन की कामना की ।

भोरमदेव के वनग्रामों में कौशल प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की नई राह

कवर्धा। भोरमदेव वाइल्डलाइफ सेंचुरी के वनग्रामों में संरक्षण भी, विकास भी की सोच के साथ स्थानीय युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल शुरू की गई है। कवर्धा वनमंडल द्वारा वनग्रामों के युवाओं को रोजगारपरक कौशल से जोड़ने के लिए निःशुल्क व्यावसायिक एवं सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर तैयार करना और युवाओं को आजीविका के नए साधनों से जोड़ना है। वनमंडलाधिकारी कवर्धा निखिल अग्रवाल के निर्देशन में तथा अधीक्षक भोरमदेव अभ्यारण्य अनिता साहू के मार्गदर्शन में भोरमदेव और चिल्फी वन परिक्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। पं. सुंदरलाल शर्मा एजुकेशन एकेडमी के माध्यम से पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें प्रतिभागियों को संबंधित कार्य की तकनीकी जानकारी के साथ स्वरोजगार शुरू करने के लिए जरूरी व्यावहारिक जानकारी भी दी जा रही है। प्रथम चरण में वन परिक्षेत्र चिल्फी के वनग्राम चिल्फी, समनापुर, सिवनीकला और राजाधार तथा वन परिक्षेत्र भोरमदेव के छपरी, चौरा, छेरकी, केसदा, हरमो, झण्डी और बांधा के कुल 40 स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण में शामिल किया गया है। वन विश्राम गृह चिल्फी में 20 युवाओं को इलेक्ट्रिशियन कार्य तथा आदिवासी भवन भोरमदेव में 20 युवाओं को प्लंबिंग कार्य का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को काम की बारीकियों के साथ उसके व्यवसायिक उपयोग और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी भी दी जा रही है। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण किट वितरित की गई। साथ ही पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रतिभागियों को विभाग की ओर से हैंड टूल किट और प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। हैंड टूल किट युवाओं के लिए प्रशिक्षण के बाद स्वयं का काम शुरू करने में उपयोगी होगी। इससे प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए हुनर को सीधे रोजगार और आजीविका से जोड़ने में मदद मिलेगी। वन विभाग की यह पहल वन संरक्षण के साथ वनग्रामों में रहने वाले स्थानीय समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं को रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराने से उन्हें स्थानीय स्तर पर काम के अवसर मिलेंगे और स्वरोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। भोरमदेव अभ्यारण्य में वन संरक्षण के साथ स्थानीय समुदायों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की यह पहल संरक्षण भी, विकास भी के उद्देश्य को मजबूती दे रही है।

छत्तीसगढ़ समन्वय समिति के तत्वावधान में मनाया गया तीज पर्व

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ समन्वय समिति के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ भवन दल्लीराजहरा में छत्तीसगढ़िया बहनों का पारंपरिक त्योहार तीज पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में 250 से अधिक महिलाओं को साड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत चिखलाकसा की अध्यक्ष कुंती देवांगन उपस्थित थीं। मंचस्थ अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा के अध्यक्ष तोरण लाल साहू, रामदास मानिकपुरी, काशी निषाद, घनश्याम पारकर, रूपलाल साहू एवं मोहन लाल साहू मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुसार छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। स्वागत भाषण में समिति के अध्यक्ष रामदास मानिकपुरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के 24 समाजों को एकत्र कर जात-पात और ऊंच-नीच के भेद को समाप्त करने और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने के लिए समिति का गठन किया गया है, जो पूरे छत्तीसगढ़ में एकमात्र उदाहरण दल्लीराजहरा में है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहलाने वाले हमारा छत्तीसगढ़िया समाज में एकता और सामंजस्य नहीं होने के कारण अपने ही प्रदेश में पराए होते जा रहे हैं। दूसरे प्रदेशों के लोग यहां आकर बड़े-बड़े सामाजिक भवन बना रहे हैं और एक-दूसरे का सहयोग कर रहे हैं, जबकि हम सहयोग तो दूर एक-दूसरे के पास भी नहीं आ पाते। हमें अपनी सोच बदलकर छत्तीसगढ़ी संस्कृति और समाज को मजबूत करने के लिए एक होना पड़ेगा। मुख्य अतिथि कुंती देवांगन ने सभी बहनों को तीजा तिहार की बधाई देते हुए कहा कि आयोजन समिति ने बहनों के लिए सोचा यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहार और संस्कृति को हम भूलते जा रहे हैं। जैसे हमारे पूर्वजों ने हमें अपनी संस्कृति के बारे में बताया, वैसे ही हमें भी अपने बच्चों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति, वेशभूषा और तीज-त्योहारों के बारे में बताना होगा, तभी हमारी संस्कृति जीवित रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखा कहते थे बेटियां ब्राह्मण के समान होती है, जैसे हम ब्राह्मण का सम्मान करते हैं वैसे ही बेटियों का भी सम्मान करना चाहिए। नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज परिस्थितियां विपरीत हैं। बेटियां पढ़ाई में आगे बढ़ रही हैं और बेटे पिछड़ रहे हैं। समाज को आगे बढ़ाने के लिए बेटों को भी पढ़ाना जरूरी है, खासकर बच्चों को मोबाइल से दूर रखें। उन्होंने कहा कि अपने-अपने समाज की कुलदेवी-देवताओं, मां कर्मा, मां दंतेश्वरी, भक्त गुहा निषाद राज, संत कबीर दास, मां परमेश्वरी, गुरु घासीदास, बूढ़ा देव की जानकारी और उनका इतिहास की जानकारी बच्चों को अवश्य दें।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण महिलाओं द्वारा सुवा गीत पर प्रस्तुत सामूहिक नृत्य रहा, जिसमें मुख्य अतिथि कुंती देवांगन सहित अन्य अतिथियों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विशेष समा तब बंधा जब निषाद समाज के अध्यक्ष घनश्याम पारकर द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, इतिहास और परंपरा से जुड़े रोचक प्रश्न पूछे और सही जवाब देने वाली महिलाओं को मौके पर ही पुरस्कार देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम का मंच संचालन कोमल पटेल एवं देवनतीन पारकर ने संयुक्त रूप से किया तथा आभार प्रदर्शन विद्या रावटे ने किया। इस अवसर पर मीना दास मानिकपुरी, चंपा साहू, ममता पटेल, पूर्णिमा राठौर सहित छत्तीसगढ़ समन्वय समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं तथा समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सिंघौरी स्कूल में मनाया गया हिंदी दिवस

बेमेतरा। भारत में प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में हिंदी दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व, गौरव और उपयोगिता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित करना है। हिंदी हमारी संस्कृति, साहित्य और परंपराओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। विद्यालयों एवं विभिन्न संस्थानों में इस दिन निबंध, कविता, कहानी, भाषण और वाचन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। हमें हिंदी का सम्मान और दैनिक जीवन में अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए।इसी तारतम्य में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में हिंदी दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों से कहानी, गीत, कविता एवं पुस्तकों का वाचन कराया गया, जिससे उनमें हिंदी भाषा के प्रति रुचि एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो। साथ ही विद्यार्थियों के बीच निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने हिंदी भाषा के महत्व, उपयोगिता एवं वर्तमान समय में इसकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण भाषा है। विद्यार्थियों को हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग एवं साहित्य के अध्ययन के लिए प्रेरित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा संकल्प समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख सरस्वती साहू सहित देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल, शशिकला यादव, किरण खरे, पूनम साहू, विनीता श्रीवास एवं पूजा मानिकपुरी तथा समाधान महाविद्यालय से आए छात्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति सकारात्मक रुचि पैदा करने का संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

एक ही दिन में चोरी-धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज, 1.60 लाख नकद समेत बाइक और कॉपर वायर पार

रायपुर। राजधानी में चोरी और धोखाधड़ी के कई मामले सामने आए हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज प्रकरणों में अज्ञात चोरों ने नकदी, कॉपर वायर और दोपहिया वाहन चोरी कर लिए। वहीं नौकरी लगाने का झांसा देकर 3.78 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला भी सामने आया है। तेलीबांधा पुलिस ने अवैध चाकू के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने के साथ ही गांजा तस्करी के मामले में भी कार्रवाई की है। ऑटो से 1.60 लाख रुपए पार: सिविल लाइन थाना क्षेत्र में ममता जतवारी ने शिकायत दर्ज कराई कि वह ऑटो रिक्शा से मल्टीलेवल पार्किंग से भनपुरी चौक जा रही थीं। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके पर्स में रखे 1.60 लाख रुपए नकद चोरी कर लिए। पुलिस ने बीएनएस की धारा 305-बी के तहत मामला दर्ज किया है। दुकान का ताला तोड़कर कॉपर वायर चोरी: खमतराई थाना क्षेत्र के रावांभाठा स्थित बीएच कंपनी में अज्ञात चोर ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखे करीब 600 मीटर कॉपर वायर, कीमत 95 हजार रुपए चोरी कर लिए। घटना 9 सितंबर की रात करीब 1 बजे की बताई गई है। सरकारी नौकरी लगाने का झांसा, 3.78 लाख की ठगी: टिकरापारा क्षेत्र में धन्नूराम ध्रुव से राजस्व विभाग में सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर 3.78 लाख रुपए लेने और नौकरी नहीं लगाने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी की धारा 420 के तहत अपराध दर्ज किया है। घर से बाइक चोरी: खम्हारडीह के गायत्री नगर में अज्ञात चोर ने मकान का कुंदा खोलकर पोर्च में खड़ी होंडा ड्रीम नियो बाइक (सीजी 07-बीएफ-2236) चोरी कर ली। बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए बताई गई है। मरीन ड्राइव से अपाचे चोरी: तेलीबांधा थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव में खड़ी टीवीएस अपाचे बाइक (सीजी 04-एमवी-2637) अज्ञात चोर चोरी कर ले गया।

रायपुर जिले की 4 सिंचाई योजनाओं के लिए 16.03 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग ने किसानों को सिंचाई सुविधा का बेहतर लाभ देने के उद्देश्य से रायपुर और गरियाबंद जिले की चार प्रमुख सिंचाई योजनाओं के लिए 16 करोड़ 03 लाख 38 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। यह स्वीकृति जल संसाधन विभाग मंत्रालय (महानदी भवन) द्वारा मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रदान की गई है। स्वीकृत राशि से नहरों की लाइनिंग, मरम्मत और जीर्णोद्धार के कार्य कराए जाएंगे, जिससे क्षेत्र में जल प्रबंधन में सुधार होगा और कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। स्वीकृत योजनाओं में गुजरा व्यपवर्तन योजना (रायपुर) के लिए 4 करोड़ 99 लाख 15 हजार रूपए स्वीकृत किया गया हैं, इस स्वीकृत राशि से नहर लाइनिंग एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने पर 141 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। इसी तरह पतोरा व्यपवर्तन योजना (गरियाबंद) के लिए स्वीकृत राशि 2 करोड़ 2 लाख 50 हजार रूपए से शीर्ष जीर्णोद्धार एवं नहर लाइनिंग कार्य से 84.27 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई जल का लाभ मिलेगा। गनियारी जलाशय योजना (गरियाबंद) के लिए 4 करोड़ 66 लाख रूपए स्वीकृत की गई है। इस स्वीकृत राशि से जीर्णोद्धार, वेस्ट वियर की मरम्मत, मुख्य नहर की रिमॉडलिंग एवं सीमेंट कंक्रीट लाइनिंग का कार्य कराया जाएगा। इससे 144 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विकास होगा। ठाकुरदेव जलाशय योजना (गरियाबंद) 4 करोड़ 35 लाख 73 हजार रूपए स्वीकृत किए गए हैं। इस स्वीकृत राशि से शीर्ष, मुख्य नहर एवं शाखा नहरों का जीर्णोद्धार, मरम्मत तथा लाइनिंग का कार्य कराया जाएगा, इससे 80 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा।

त्योहार से पहले मुंगेली पुलिस ने 45 बदमाशों की कुंडली खंगाली

रायपुर। गणेश चतुर्थी और आगामी त्योहारों के दौरान जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुंगेली पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ निगरानी बढ़ा दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश पर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 45 बदमाशों की सघन चेकिंग की गई। इनमें 8 निगरानी बदमाश, 33 गुंडा बदमाश और 4 गैंग हिस्ट्रीशीटर शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत शुक्ला ने सिटी कोतवाली क्षेत्र के 12 गुंडा बदमाशों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय बुलाकर उनकी चेकिंग की। इस दौरान उनसे आय के स्रोत, चल-अचल संपत्ति, वर्तमान गतिविधियों, आवागमन और नियमित रूप से आने-जाने वाले स्थानों की जानकारी ली गई। पुलिस ने सभी को स्पष्ट हिदायत दी कि त्योहार के दौरान किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि में शामिल पाए जाने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इन थाना क्षेत्रों में हुई चेकिंग लोरमी थाना: 4 निगरानी बदमाश, 15 गुंडा बदमाश और 4 गैंग हिस्ट्रीशीटर समेत 23 बदमाशों की जांच की गई। जरहागांव: 1 निगरानी और 1 गुंडा बदमाश की चेकिंग। लालपुर: 2 गुंडा बदमाशों की चेकिंग। चिल्फी: 2 निगरानी और 1 गुंडा बदमाश की चेकिंग। अन्य थाना क्षेत्र: 1 निगरानी और 2 गुंडा बदमाशों की चेकिंग। पुलिस ने सभी बदमाशों को आगामी त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने और पुलिस के निर्देशों का पालन करने की चेतावनी दी है। मुंगेली पुलिस के अनुसार त्योहारों के दौरान असामाजिक तत्वों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर प्रतिबंधात्मक व वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश के युवाओं और छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार प्रतिबद्ध - मंत्री श्री टंक राम वर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयों में प्रवेश से वंचित रह गए विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने छात्रहित और विद्यार्थियों की लगातार आ रही मांगों पर संवेदनशीलता एवं सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए कॉलेजों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। इस निर्णय के बाद अब राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में रिक्त सीटों पर छात्र 19 सितंबर 2026 तक प्रवेश ले सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, सत्र 2026-27 के लिए पूर्व में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई थी। हालांकि, कई छात्र-छात्राओं के आवेदन एवं सीटें रिक्त होने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए तिथि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया। इस मामले पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं और छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

'विष्णु भैया' का घर बना बहनों का मायका,मुख्यमंत्री निवास में उल्लास से मना तीजा-पोरा तिहार

तीजा हमारी समृद्ध परंपराओं और मातृशक्ति का पर्व :मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

- भगवान शिव-माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर मुख्यमंत्री ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

रायपुर/ संवाददाता

नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास आज तीजा-पोरा तिहार के अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, पारिवारिक आत्मीयता और मातृशक्ति के उल्लास का साक्षी बना। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से बड़ी संख्या में पहुंचीं माताओं, बहनों और बेटियों के स्वागत में मुख्यमंत्री निवास को छत्तीसगढ़ी गांव और मायके की तरह सजाया गया था। पारंपरिक बैलगाड़ी, नौदिया-बइला, लोक शिल्प और ग्रामीण परिवेश की सजावट के बीच फुगड़ी, रस्साकशी, कुर्सी दौड़, मेहंदी और झूलों ने पूरे परिसर को उत्सव के रंग में रंग दिया। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के बीच माताओं-बहनों ने पूरे उत्साह के साथ तीजा-पोरा की खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने माताओं-बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में तीजा पर बेटियों और बहनों के मायके आने की सुंदर परंपरा है। आज प्रदेशभर से आप सभी बहनें मेरे घर आई हैं, इसलिए मुख्यमंत्री निवास आज आप सभी का मायका है। अपने भाई के घर आपका आना मेरे लिए सौभाग्य और आनंद की बात है। मुख्यमंत्री के इस आत्मीय संबोधन के साथ पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तीजा-पोरा हमारी माटी, परिवार, रिश्तों, खेती-किसानी, पशुधन और लोकजीवन से जुड़ा जीवंत उत्सव है। हरेली से शुरू होने वाली छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहारों की सुंदर श्रृंखला हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन को आत्मीयता के सूत्र में बांधती है। हमारी

लोक परंपराएं पीढ़ियों को अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़ने का काम करती हैं। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की माताओं-बहनों सहित सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीजा का पर्व माता पार्वती की तपस्या, समर्पण और अटूट आस्था से जुड़ा हुआ है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तप किया था। हमारी माताएं और बहनें आज भी इस महान परंपरा को श्रद्धा के साथ आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रदेश की माताओं-बहनों के सुख, समृद्धि और अखंड सौभाग्य के साथ छत्तीसगढ़ के निरंतर विकास और खुशहाली की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोरा का पर्व हमारी कृषि संस्कृति और पशुधन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खेती-किसानी केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा है। तीजा और पोरा का यह संगम हमारी लोकसंस्कृति की उसी आत्मीयता और व्यापकता को अभिव्यक्त करता है। तीजा-पोरा के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशव्यापी 'हर घर मुनगा-घर घर मुनगा' अभियान का शुभारंभ किया और अभियान के लोगो का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुनगा पोषक तत्वों और आवश्यक मिनरल्स से भरपूर है। इसकी पत्तियां और फलियां पोषण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी हैं। विशेषकर महिलाओं और बच्चों के आहार में इसका उपयोग बेहतर पोषण में सहायक हो सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि अपने घरों और आसपास मुनगा लगाएं और इसके पोषण गुणों को जन-जन तक पहुंचाएं।

आधार बना जीवन का आधार.....कलेक्टर के पहल से वृद्ध की वर्षों पुरानी समस्या का हुआ निराकरण

रायपुर/ संवाददाता

पहचान का एक छोटा-सा दस्तावेज किसी व्यक्ति के जीवन में कितना बड़ा बदलाव ला सकता है, इसका जीवंत उदाहरण बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम पंचायत झलपी (पोस्ट-महाराजगंज) निवासी 75 वर्षीय श्री वासुदेव गुप्ता का प्रकरण है। पहचान पत्र न बन पाने के कारण उन्हें लंबे समय से विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित रहना पड़ रहा था। किन्तु यह बदलाव तब संभव हुआ जब प्रशासन की संवेदनशील सोच ने सेवा संकल्प का प्राथमिकता में रखकर कार्य किया। आधार कार्ड आज के समय में हर भारतीय नागरिक की पहचानए वित्तीय लेन.देन और सरकारी योजनाओं का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है। बीते चार वर्षों के दौरान श्री वासुदेव गुप्ता ने क्षेत्र के लगभग हर आधार केंद्र के चक्कर काटे और कई बार नामांकन भी करवाया। हालांकि, जब भी वे पावती से स्थिति की जांच करवाते, तो हर बार तकनीकी कारणों का हवाला देकर उनका आवेदन निरस्त कर दिया जाता था। इस समस्या के समाधान और पहचान संख्या प्राप्त करने की उम्मीद में उन्होंने अंबिकापुर स्थित सेवा केंद्र तक की दौड़ लगाई, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगी। लगातार आ रही इन बाधाओं के चलते उनकी उम्मीदें धीरे-धीरे टूटने लगी थीं। इस मामले में नया मोड़ तब आया जब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की संवेदनशील पहल पर जिला प्रशासन ने आम नागरिकों

की ऐसी लंबित शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला टीम तथा संबंधित तकनीकी कार्यालयों (ई-डीएम, डीसी एवं एमटीओ) ने तकनीकी अड़चनों की गहराई से पड़ताल की। आपसी समन्वय से समाधान का मार्ग निकालते हुए अंततः श्री गुप्ता का दस्तावेज सफलतापूर्वक तैयार कर उन्हें सौंप दिया गया। दस्तावेज के तैयार होते ही वृद्ध कृषक के लिए शासन की तमाम कल्याणकारी योजनाओं के रास्ते खुल गए हैं। इसके अपडेट होने से अब श्री वासुदेव गुप्ता एग्री स्टैक पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे, जिससे उन्हें सुगमता से धान विक्रय करने और अन्य कृषि-हितैषी योजनाओं का लाभ मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त पेंशन योजना, राशन कार्ड की ई-केवायसी, बैंकिंग सेवाओं तथा ऋण संबंधी प्रक्रियाओं का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है, जिससे वृद्धावस्था में उन्हें आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का संबल प्राप्त होगा। जिला प्रशासन का यह प्रयास केवल एक अकेले प्रकरण के निराकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य एक ऐसी पुख्ता व्यवस्था विकसित करना है ।,

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर खनिज विभाग का एक्शन

- अवैध खनन एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, रेत-मिट्टी और गिट्टी से लदे 4 ट्रैक्टर व 1 हाईवा जप्त

रायपुर/ संवाददाता

जीपीएम जिले में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खनिज विभाग के अमले ने अवैध परिवहन में संलिप्त 4 ट्रैक्टर एवं 1 हाईवा वाहन जप्त किया है। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध रूप से खनिजों के उत्खनन एवं परिवहन में लगे लोगों में हड़कंप मचा है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिवनी क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 2 ट्रैक्टरों को जप्त किया गया। इसी तरह मजगवां से 1 ट्रैक्टर, पड़वनिया से मिट्टी (ईंट) के अवैध परिवहन में संलिप्त 1 ट्रैक्टर तथा पकरिया से गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 1 हाईवा वाहन को जप्त किया गया है। जप्त किए गए वाहनों को नियमानुसार सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। इनमें 2 ट्रैक्टरों को सिवनी चौकी, जबकि 2 ट्रैक्टर एवं 1 हाईवा वाहन को अमरपुर पुलिस लाइन में सुरक्षित रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा जप्त वाहनों के मालिकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। जिले में नागरिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज कराई जा रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों द्वारा मौके पर जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग ने प्राप्त शिकायतों की जांच कर अवैध खनिज परिवहन के मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण जांच, समयबद्ध कार्रवाई और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देशों के अनुरूप खनिज विभाग द्वारा शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए मौके पर कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन, खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। विभाग द्वारा ऐसे मामलों की निगरानी के साथ-साथ प्राप्त शिकायतों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन ने 24 घंटे में लौटाई ग्रामीणों की पेयजल सुविधा-संतराम..

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन की सुशासन नीति और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शासन की इसी प्रतिबद्धता का प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 'विष्णु का सुशासन' केवल एक संकल्प नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष सकारात्मक बदलाव लाने वाली व्यवस्था के रूप में साकार हो रहा है। इसी सुशासन की प्रभावी मिसाल मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत रटगा में देखने को मिली, जहां एक ग्रामीण की

पेयजल संबंधी समस्या का समाधान शिकायत दर्ज होने के महज 24 घंटे के भीतर कर दिया गया। ग्राम रटगा निवासी श्री संत राम ने अपने आसपास खराब पड़े हैंडपंप की समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मैदानी अमले ने बिना विलंब मौके पर पहुंचकर खराब हैंडपंप का निरीक्षण किया और आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू किया। विभागीय टीम की तत्परता से महज 24 घंटे के भीतर हैंडपंप को दुरुस्त कर पुनः चालू कर दिया गया। हैंडपंप के चालू होने से श्री संत राम सहित आसपास के ग्रामीणों को अब आसानी से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पेयजल की समस्या दूर होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। साथ ही, त्वरित निराकरण से ग्रामीणों के बीच शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। शिकायत करने के बाद इतनी जल्दी समाधान होगा, इसकी उम्मीद थी।

मंत्री खुशवंत साहब के बड़े भाई ढाल दास ने थामा कांग्रेस का दामन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति में बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया है। सतनामी समाज के प्रमुख धर्मगुरु गुरु बालदास के बड़े पुत्र और मंत्री खुशवंत साहब के बड़े भाई ढाल दास ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रायपुर निवास में आयोजित कार्यक्रम में ढाल दास का कांग्रेस में स्वागत किया गया। भूपेश बघेल ने उन्हें कांग्रेस का गमछा पहनाकर पार्टी में शामिल किया। ढाल दास के कांग्रेस प्रवेश के बाद प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। सतनामी समाज में गुरु बालदास के प्रभाव और परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखते हुए उनके कांग्रेस में शामिल होने को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। खास बात यह है कि ढाल दास के भाई खुशवंत साहब भाजपा सरकार में मंत्री हैं।

प्रदेश में खेल अधोसंरचना का तेजी से हो रहा विस्तार

राजधानी रायपुर में 60 करोड़ रुपए की लागत से बन रही आर्चरी अकादमी

- खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों और अवसरों की नहीं होगी कमी : मुख्यमंत्री
- जशपुर के पंडरापाठ में 20-25 करोड़ रुपए की लागत से आर्चरी अकादमी, वनांचल की प्रतिभाओं को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। प्रदेश के गांवों, वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। आवश्यकता है कि उनकी समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं। राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रदेश में खेल अधोसंरचना का विस्तार करने के साथ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए संसाधनों और अवसरों की कमी नहीं होने दी जाएगी।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की एग्जीक्यूटिव बॉडी मीटिंग एवं जनरल काउंसिल मीटिंग को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता और पदक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की

प्रतिस्पर्धाओं के अनुरूप तैयार करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए खेल अधोसंरचना के विकास के साथ प्रशिक्षण और प्रतिभा चयन की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के विभिन्न खेल संघों को उद्योग समूहों से जोड़ने की पहल में तेजी लाने की बात कही। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अनेक बड़े उद्योग समूह कार्यरत हैं। इन समूहों के सहयोग को खेलों के विकास से जोड़ा जाए तो खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, प्रतियोगिताओं के आयोजन और खेल अधोसंरचना के विस्तार में महत्वपूर्ण सहायता मिल सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने उद्योग जगत और खेल गतिविधियों के बीच बेहतर समन्वय के सकारात्मक परिणामों को करीब से देखा है। यदि अलग-अलग उद्योग समूह विभिन्न खेलों और खेल संघों के साथ जुड़कर सहयोग करें, तो प्रदेश में खेलों के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने इस दिशा में सुनियोजित ढंग से पहल करने को कहा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ और राज्य शासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। खेल संघों से जुड़े विषयों, उनकी आवश्यकताओं और शासन स्तर पर जरूरी प्रक्रियाओं को अधिक सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय के एक वरिष्ठ अधिकारी को विशेष रूप से छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के साथ समन्वय की जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे खेल संघों की आवश्यकताओं और विभिन्न प्रस्तावों पर शासन स्तर पर प्रभावी समन्वय सुनिश्चित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि खेलों के विकास से जुड़े विषयों का समयबद्ध समाधान हो और खिलाड़ियों को योजनाओं तथा सुविधाओं का पूरा लाभ मिले, इसके लिए शासन और खेल संगठनों के बीच निरंतर संवाद आवश्यक है।

संपादकीय

ईओएस-5 की सफलता- अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ता भारत

राजनीतिक बदलावों के बावजूद अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बनी नीतिगत निरंतरता ने इसरो को दुनिया की विश्वसनीय एजंसियों में स्थापित किया है। मगर सफलता का उत्सव भविष्य की चुनौतियों को ढक नहीं सकता। वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा तेजी से बदल रही है। इसमें केवल पुरानी उपलब्धियों के भरोसे आगे बढ़ना संभव नहीं। अंतरिक्ष में हासिल की गई कोई भी सफलता विज्ञान की उपलब्धि होने के साथ-साथ एक राष्ट्र की दूरदृष्टि, संस्थागत क्षमता और भविष्य को लेकर उसके आत्मविश्वास को भी परिलक्षित करती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा ईओएस-5 का सफल प्रक्षेपण इसी अर्थ में खास है। भू-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित होने वाले देश के पहले 'इमेजिंग' उपग्रह की सफलता ने फिर यह साबित किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाला देश नहीं, बल्कि नई क्षमताओं के साथ आगे बढ़ने वाली शक्ति बन रहा है। यह उपलब्धि महज एक उपग्रह को अंतरिक्ष में पहुंचाने तक सीमित नहीं है।यह मौसम पूर्वानुमान, प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी, कृषि नियोजन, पर्यावरण संरक्षण, समुद्री गतिविधियों और राष्ट्रीय सुरक्षा तक के मामले में व्यापक स्तर पर उपयोगी साबित होगी। अंतरिक्ष विज्ञान का संबंध अब नागरिक जीवन, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ चुका है। इसलिए ईओएस-5 की सफलता को भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो के वैज्ञानिकों ने अनुशासन, धैर्य और नवाचार के बल पर जो विश्वसनीयता पाई है, वह हमारी अमूल्य राष्ट्रीय पूंजी है। राजनीतिक बदलावों के बावजूद अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बनी नीतिगत निरंतरता ने इसरो को दुनिया की विश्वसनीय एजंसियों में स्थापित किया है। मगर सफलता का उत्सव भविष्य की चुनौतियों को ढक नहीं सकता। वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा तेजी से बदल रही है। इसमें केवल पुरानी उपलब्धियों के भरोसे आगे बढ़ना संभव नहीं।सरकार का दायित्व सफल प्रक्षेपणों पर वैज्ञानिकों को बधाई देने तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसरो को पर्याप्त संसाधन, अत्याधुनिक सुविधाएं, स्थायी वित्तीय समर्थन और युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं को आकर्षित करने वाली नीति चाहिए।निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के बीच यह भी ध्यान रखना होगा कि इससे इसरो की वैज्ञानिक क्षमता और संस्था के रूप में उसकी अहमियत कहीं से भी कमजोर न पड़े। विज्ञान पर किया गया निवेश खर्च नहीं, भविष्य की भरोसेमंद पूंजी है। इसरो की मजबूती दरअसल उस भारत की मजबूती है, जो धरती की जरूरतों को समझते हुए अंतरिक्ष में अपना भविष्य तलाश रहा है।

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है।

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

(ललित गर्ग)

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए।

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है।

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस,

स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है।

इतिहासकिताबें खोजें

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा।

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम्, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं। पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती।

बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन?

(डॉ. रमेश ठाकुर)

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है।

मानवीय हिमाकतों के चलते दिल्ली में और एक बड़ी दर्दनाक घटना घट गई। सत्य निकेतन के मोतीनगर स्थिति एक सालों पुरानी जर्जर हालत की बिल्डिंग मौत बनकर रिमझिम बारिश में भरभराकर गिर पड़ी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे बच्चों के परिजनों की चीखें कलेजा फाड़ रही हैं। परिजन बिलख रहे हैं,मांए बदहवास और बेसुध हैं। स्थानीय पुलिस और हुकुमती अधिकारियों का घटनास्थल पर जमघट लगा है। राहत-बचाव कार्य जारी है। घायल बच्चे एम्स के ट्रामा सेंटर भिजवाए जा रहे हैं। लेकिन वहां से कुछ बच्चों के ना रहने की सूचनाएं हर किसी को झकझोर रही हैं। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्जवल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान लील लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है। राजेंद्र नगर स्थिति कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में पानी भरने से हुई बच्चों की मौत को शायद ही कोई भूल पाया हो। मुखर्जी नगर की कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना को याद करके भी रोंगटे खड़े होते हैं।

इस तरह की प्रत्येक घटनाओं पर जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं का हमेशा से एक ही बयान होता है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, सख्त कार्रवाई होगी? इसके अलावा मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों की इलाज कराकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है और जब तक मीडिया में घटना की चर्चाएं होंगी, कार्रवाई के नाम पर सरकारी डंडा पीटा जाता रहेगा। शोर जैसे ही शांत होगा। जांच-पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएंगी। जमींदोज हुई बिल्डिंग में ज्यादातर विश्वविधायल में पढ़ने वाले और सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले मात्र 20-22 आयु के बच्चे रहते थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराए पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45 साल पुरानी बताई जाती है। जबकि, देखने में इससे भी कहीं पुरानी लगती थी। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमानत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर 'इंडियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेंस' ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया था कि 85 फीसदी पीजी बच्चों के रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हुकूमतों ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का तांडव किया गया था। दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के अधिकारियों ने घूस खाया। घटनास्थल साउथ दिल्ली का सत्य निकेतन क्षेत्र है जिसे डूब या निचला-धरातल क्षेत्र भी कहते हैं। वहां बिल्डिंग बनाने की मात्र ढाई मंजिला इजाजत होती है। पर, अधिकारियों ने घूस खाकर पांच मंजिला तक बनवा दिया। दिल दहला देने वाले हादसे को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबीन बने रहे। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमग्न हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल बजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई।

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं। शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर-दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं।

बदलते मौसम चक्र में राहत की उम्मीद, अल नीनो के असर को संतुलित कर सकती है अटलांटिक नीना

इनके स्वरूप और प्रभावों का अध्ययन करने पर पता चला कि इनका संबंध वैश्विक जलवायु और बढ़ते तापमान से भी है। हालांकि इनके नाम प्रशांत महासागर में होने वाली 'अल-नीनो' और 'ला-नीना' से मिलते-जुलते हैं, लेकिन दोनों को एक ही मानना उचित नहीं है। अटलांटिक नीनो और नीना भू-मध्यरेखीय अटलांटिक महासागर में होने वाली परस्पर विपरीत जलवायु घटनाएं हैं। अटलांटिक नीनो की स्थिति तब बनती है, जब भू-मध्यरेखीय अटलांटिक का समुद्री जल सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है।

(राजेंद्र दीक्षित)

अटलांटिक नीनो और नीना भू-मध्यरेखीय अटलांटिक महासागर में होने वाली परस्पर विपरीत जलवायु घटनाएं हैं। प्रकृति ने अपने भीतर न जाने कितने ऐसे रहस्य छिपा रखे हैं, जिनकी परतें विज्ञान धीरे-धीरे खोल रहा है। जब भी कोई नई प्राकृतिक घटना सामने आती है, मनुष्य को अपने सीमित ज्ञान का एहसास होता है। भू-विज्ञान, मौसम विज्ञान और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ जानना, समझना और सीखना बाकी है। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच मौसम की अनिश्चितता ने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ाई है। ऐसे समय में जब अल नीनो के कारण कमजोर और अनियमित मानसून की आशंका जताई जा रही थी कि इसी बीच अटलांटिक नीना की सक्रियता ने कुछ राहत की उम्मीद जगाई।

अटलांटिक नीनो और नीना अपेक्षाकृत नई समझी जाने वाली जलवायु घटनाएं हैं। प्रारंभ में इनके अस्तित्व ने वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया था। इनके स्वरूप और प्रभावों का अध्ययन करने पर पता चला कि इनका संबंध वैश्विक जलवायु और बढ़ते तापमान से भी है। हालांकि इनके नाम प्रशांत महासागर में होने वाली 'अल-नीनो' और 'ला-नीना' से मिलते-जुलते हैं, लेकिन दोनों को एक ही मानना उचित नहीं है।

अटलांटिक नीनो और नीना भू-मध्यरेखीय अटलांटिक महासागर में होने वाली परस्पर विपरीत जलवायु घटनाएं हैं। अटलांटिक नीनो की स्थिति तब बनती है, जब भू-मध्यरेखीय अटलांटिक का समुद्री जल सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसके विपरीत, अटलांटिक नीना के दौरान समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से कम हो जाता है। अटलांटिक नीनो के समय पूर्वी हवाएं कमजोर पड़ती हैं, जबकि अटलांटिक नीना में ये हवाएं अपेक्षाकृत मजबूत हो जाती हैं। तेज हवाएं समुद्र की गहराई से ठंडे पानी को ऊपर लाने में मदद करती हैं। इन दोनों घटनाओं का वर्षा और मौसम पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

अटलांटिक नीनो उष्णकटिबंधीय अटलांटिक क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वर्षा बढ़ा सकता है। इसके विपरीत, अटलांटिक नीना की स्थिति में वर्षा का स्वरूप बदल जाता है। अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में कम वर्षा और गिनी की खाड़ी के आसपास अपेक्षाकृत अधिक वर्षा जैसी स्थितियों के पीछे समुद्री तापमान और वायुमंडलीय परिसंचरण में होने वाले बदलाव महत्त्वपूर्ण भूमिका

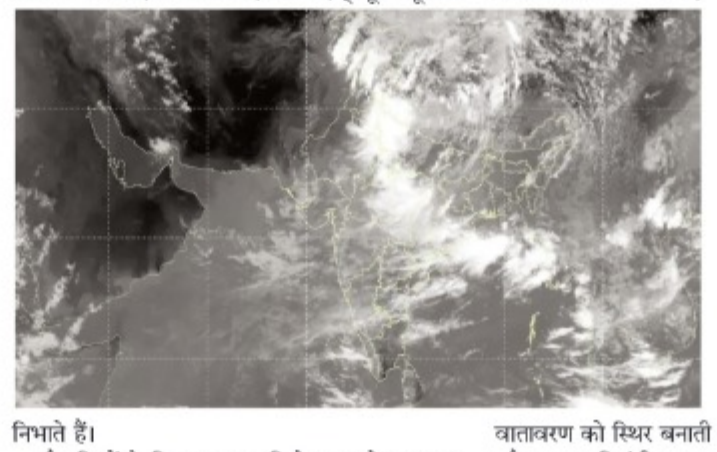

निभाते हैं।

वैज्ञानिकों के लिए यह तथ्य विशेष रूप से अहम रहा कि वैश्विक ताप लगातार बढ़ने के बावजूद कभी-कभी अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत महासागर के भू-मध्यरेखीय क्षेत्रों में एक साथ ठंडक दिखाई देती है। ऐसी स्थिति का संबंध ला नीना और अटलांटिक नीना जैसी घटनाओं से हो सकता है। ये दोनों घटनाएं समुद्र और वायुमंडल के बीच होने वाली जटिल पारस्परिक क्रिया को समझने में महत्त्वपूर्ण संकेत देती हैं। जुलाई और अगस्त 2024 में उत्तरी अटलांटिक महासागर में लंबे समय से जारी असाधारण गर्मी के बीच भू-मध्यरेखीय अटलांटिक क्षेत्र में ठंडक दिखाई दी।

यह स्थिति इसलिए भी उल्लेखनीय थी, क्योंकि जून के प्रारंभ में समुद्र की सतह का तापमान काफी अधिक था। इसके बाद अटलांटिक नीना के विकसित होने के संकेत मिलने लगे। इसी अवधि में पूर्वी प्रशांत महासागर में भू-मध्यरेखा के निकट समुद्री जल भी ठंडा हो रहा था। प्रशांत क्षेत्र में ला नीना के विकसित होने की संभावना सामान्य तौर पर अक्तूबर या नवंबर के आसपास मानी जा रही थी, लेकिन इसके संकेत अपेक्षाकृत पहले दिखाई देने लगे।

इन घटनाओं को समझने के लिए वैज्ञानिक वायुमंडलीय परिसंचरण के कई संकेतकों का अध्ययन करते हैं। इनमें 'वेग विभव' भी महत्त्वपूर्ण है। इसके माध्यम से यह समझने में सहायता मिलती है कि बड़े क्षेत्र में वायु कहां ऊपर उठ रही है और कहां नीचे उतर रही है। नीचे उतरती वायु सामान्यतः वातावरण को स्थिर बनाती है। इससे बादलों का निर्माण और उष्णकटिबंधीय तूफानों की गतिविधि कम हो सकती है। इसके विपरीत, ऊपर उठती वायु अधिक बादल और वर्षा के साथ उष्णकटिबंधीय तूफानी गतिविधियों को बढ़ावा दे सकती है। समुद्र की सतह का तापमान और वायुमंडलीय दबाव इन प्रक्रियाओं से गहराई से जुड़े होते हैं।

पिछले चार दशकों के आंकड़ों का अध्ययन करने पर यह संकेत मिला है कि अटलांटिक नीना की सक्रियता के दौरान अपेक्षाकृत उच्च वायुदाब चक्रवातों की संख्या और उनके तट तक पहुंचने की संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है। इसके विपरीत, अटलांटिक नीनो अफ्रीकी पूर्वी तरंग गतिविधि और निम्नस्तरीय चक्रवाती परिसंचरण को मजबूत करता है। ऐसी परिस्थितियां केप वर्डे द्वीपसमूह के आसपास गहरे उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में शक्तिशाली तूफानों के विकसित होने की संभावना बढ़ाती हैं।

अटलांटिक नीना का प्रभाव केवल तत्काल मौसम तक सीमित नहीं रहता। पिछले चार दशकों के अध्ययन यह संकेत देते हैं कि गर्मियों में अटलांटिक की समुद्री स्थितियां आगे आने वाली सर्दियों के मौसम को भी प्रभावित कर सकती हैं। ग्रीष्मकालीन अटलांटिक नीनो के बाद कनाडा और उत्तरी संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊपर निम्न वायुदाब की स्थिति बनने की संभावना देखी गई है। इससे ऊपरी वायुमंडल में बहने वाली जेट धाराओं की तीव्रता प्रभावित हो सकती है।

जेट धाराएं ऊपरी वायुमंडल में पश्चिम से पूर्व की ओर बहने वाली तेज और संकरी वायु धाराएं हैं। सामान्यतः ये लगभग 20,000 से 50,000 फुट की ऊंचाई पर पाई जाती हैं और इनकी गति 120 से 240 किलोमीटर प्रति घंटा या उससे अधिक हो सकती है। ध्रुवीय ठंडी हवा और विषुवतीय गर्म हवा के बीच तापमान तथा वायुदाब में अंतर इनके निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। पृथ्वी के घूर्णन के कारण इन हवाओं की दिशा पश्चिम से पूर्व की ओर मुड़ जाती है। जेट धाराएं ठंडी और गर्म वायु राशियों को अलग रखने के साथ-साथ मौसम प्रणालियों, तूफानों और चक्रवातों के निर्माण को भी प्रभावित करती हैं।

अब सबसे अहम प्रश्न यह है कि सक्रिय अटलांटिक नीना आने वाले समय में क्या प्रभाव डाल सकती है। समुद्र की सतह के तापमान में गिरावट से विकसित यह जलवायु स्थिति प्रशांत महासागर में सक्रिय अल नीनो के प्रभाव को कुछ हद तक संतुलित कर सकती है। इसका सीधा अर्थ यह नहीं है कि मानसून निश्चित रूप से सामान्य या अत्यधिक अच्छा होगा, लेकिन ये परिस्थितियां कमजोर मानसून की आशंका को

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों ने चलाया ग्राम संपर्क अभियान

कोण्डागांव। माय भारत पोर्टल पर आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज में अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा योजना चिपावंड के स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम संपर्क एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजीवन कुमार, जिला संगठक शशि भूषण कनौजे एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान के निर्देशानुसार, संस्था की प्राचार्या श्रीमती एस. सोनपिपरे के मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम अधिकारी मोहन लाल बोगा के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने नियमित गतिविधि के तहत ग्राम के पारा-मोहल्लों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को माय भारत पोर्टल पर क्विज प्रतियोगिता के लिए पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी दी।अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने युवाओं को क्विज में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए इसके उद्देश्य एवं पंजीयन प्रक्रिया से अवगत कराया। स्वयंसेवकों द्वारा लगातार ग्राम भ्रमण कर अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने में भविष्य देवांगन, सुदेश नेताम, हेमंत देवांगन, लखेश्वर सलाम, नुरेन्द्र, लोकेश, मनबती, अनसीया, सोमनी, राजेश्वरी, बबली, रोशनी, बंशीदास, सुंदर, अंबिका, परमेश्वरी, प्रतिमा, जीवन लाल, डिकेश्वर, साहिल, दिलीप, यशवंत सहित अन्य स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही। इस जनजागरूकता अभियान के लिए ग्राम सरपंच सुश्री सूरज नेताम एवं संस्था की प्राचार्या श्रीमती एस. सोनपिपरे ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

विश्व प्राथमिक उपचार दिवस पर कब-बुलबुल टीम ने दिया प्राथमिक उपचार का संदेश

कोण्डागांव। भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोंडागांव के तत्वावधान में शासकीय प्राथमिक शाला डोंगरीपारा एवं उप स्वास्थ्य केंद्र जामकोटपारा में संयुक्त रूप से विश्व प्राथमिक उपचार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला संरक्षक एवं कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना तथा जिला आयुक्त एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान के निर्देशानुसार किया गया। जिला संगठन आयुक्त गाइड श्रीमती संजना हर्मिट एवं जिला सचिव चमन लाल सोरी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व एडवांस कब मास्टर पवन कुमार साहू एवं आर.एच.ओ. श्रीमती शारदा साहू ने किया। इस अवसर पर कब-बुलबुल टीम द्वारा लकड़ी का स्ट्रक्चर तैयार कर उसका प्रदर्शन किया गया। एडवांस कब मास्टर पवन कुमार साहू ने दुर्घटना या आपातकालीन स्थिति में घायल व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक उपचार देने तथा सुरक्षित तरीके से अस्पताल तक पहुंचाने की प्रक्रिया के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। आर.एच.ओ. श्रीमती शारदा साहू ने बताया कि विश्व प्राथमिक उपचार दिवस प्रत्येक वर्ष सितंबर माह के दूसरे शनिवार को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दुर्घटना अथवा आपातकालीन स्थिति में अस्पताल पहुंचने से पहले दिए जाने वाले सही प्राथमिक उपचार के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद का शुरुआती समय 'गोल्डन आवर' होता है, जो घायल व्यक्ति की जान बचाने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सही समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार स्थिति को गंभीर होने से रोक सकता है और कई बार यही सहायता जीवन और मृत्यु के बीच अंतर बन जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि ÷छोटी-सी सीख बड़ा बदलाव ला सकती है। हम सभी प्राथमिक उपचार के लिए तैयार रहें और जरूरत के समय किसी के काम आएं, क्योंकि एक छोटी-सी मदद किसी की जिंदगी में नई उम्मीद जगा सकती है।÷ कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने प्राथमिक उपचार संबंधी जानकारी एवं प्रदर्शन में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर जगदलपुर में भव्यता से शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान, माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर सहित सिरहासार चौक में जगमगाएंगे सवा लाख दीये

महापौर सहित कलेक्टर व एसपी ने लिया जायजा

जगदलपुर - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस तथा उनके सार्वजनिक व प्रशासनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे माह चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत जगदलपुर में ऐतिहासिक भव्यता के साथ होने जा रही है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के हृदय स्थल बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर सहित सिरहासार चौक पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जहाँ एक साथ सवा लाख दीये प्रज्वलित कर पूरे परिसर को अलौकिक रोशनी से जगमग किया जाएगा। इस विशाल कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल आयोजन के उद्देश्य से स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा व्यापक तैयारी की जा रही है। तैयारियों की समीक्षा और पुख्ता रणनीति तैयार करने के लिए महापौर संजय पाण्डे, कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा द्वारा संयुक्त रूप से माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर सहित सिरहासार चौक का स्थलीय निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, मंच सज्जा, दीप प्रज्वलन की श्रृंखला तथा जनभागीदारी के सुगम आवागमन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान पर नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा, पूर्व महापौर श्रीमती सफीरा साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। ज्ञात हो कि आगामी महीने भर चलने वाले इस सेवा संकल्प अभियान के दौरान समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनसेवा पहुँचाने के लिए स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, सामाजिक सरोकार और रचनात्मक प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जगदलपुर में 17 सितम्बर को सवा लाख दीपों का यह प्रज्वलन न केवल प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाकाल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेगा, बल्कि बस्तर में शांति, विकास और जनसहभागिता के एक नए युग का उल्लास भी बिखेरेगा।

बस्तर के खैरगुड़ा में तीज का अलग रंग, धनकुल की थाप पर जागती हैं महिलाएं, पांच से सात दिन तक चलता है जगार, महादेव-बालीगौरा की कथा और लोकगीतों से जीवंत होती है परंपरा

जगदलपुर (बस्तर)। छत्तीसगढ़ में तीजा तिहार को लेकर अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग लोकपरंपराएं देखने को मिलती हैं। ग्राम मधोता 02 खैरगुड़ा बस्तर में धाकड़ समाज की तीजा जगार ऐसी ही विशिष्ट परंपरा है, जिसमें तीज व्रत के साथ लोकगीत, देवी-देवताओं की आराधना और महिलाओं की सामूहिक भागीदारी जुड़ी हुई है। नवविवाहित दंपति को तीज व्रत की उपासना से जोड़ने के उद्देश्य से होने वाला यह जगार परिवार की व्रती महिलाओं को एक स्थान पर एकत्र करता है। तीजा जगार की शुरुआत पूजा स्थल को पारंपरिक रूप से तैयार करने के साथ होती है। बांस की कमचियों को चौकोर आकार में बांधकर नए कपड़े अथवा साड़ी से ढककर फुलेरा बनाया जाता है और उसमें चेंदू लगाया जाता है। नीचे चावल, आटा और हल्दी से मांडना तैयार कर पीढ़ा रखा जाता है, जिस पर बालीगौरा वाला परात स्थापित किया जाता है। इसके बाद गौरी-गणपति की पूजा कर महादेव और माता पार्वती की विशेष आराधना की जाती है। भगवान शंकर को बेलपत्र और कनेर के फूल तथा माता पार्वती को मदार के फूल और श्रृंगार सामग्री अर्पित की जाती है। इस परंपरा का सबसे आकर्षक पक्ष धनकुल वाद्य और जगार गीत हैं। मिट्टी के मटके के ऊपर सूपा और उसके ऊपर तीर रखकर बनाए गए धनकुल को बांस की झिरनी काड़ी से बजाया जाता है। इसकी लय पर गुरुमायें और उनकी सहायक महिलाएं महादेव-बालीगौरा की कथा और पारंपरिक गीत गाती हैं। पांच से सात दिनों तक चलने वाले इस क्रम में देवी-देवताओं का आह्वान किया जाता है। देवी-देवताओं के भजन को स्थानीय तौर पर 'चाखना' कहा जाता है। लोकमान्यता के अनुसार चाखना और जगार गीतों के माध्यम से देवी-देवताओं को नृत्य कराया जाता है। तीजा जगार में महिलाओं की भूमिका केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं रहती। वे रातभर जागकर अखंड ज्योत की रक्षा करती हैं और दीप बुझने नहीं देतीं। आरती के बाद

तितना में शासकीय उद्यान रोपणी के लिए प्रस्तावित भूमि का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

नर्सरी के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार और माली प्रशिक्षण देने के निर्देश

कोण्डागांव –कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने रविवार को माकड़ी विकासखंड के ग्राम तितना में शासकीय उद्यान रोपणी के लिए प्रस्तावित 4.5 हेक्टेयर भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर आवश्यक प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत नर्सरी स्थापना की स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्यवाही करने तथा विकसित भारत-जी राम जी के तहत फलदार पौधों के रोपण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने नर्सरी के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ युवाओं एवं ग्रामीणों को माली प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया। इसके बाद कलेक्टर ने माकड़ी क्षेत्र में शासकीय महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन एवं ग्रंथालय, ग्राम रांधना के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन तथा ग्राम कोटवेल में प्रस्तावित विद्युत उपकेंद्र स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने और विद्युत उपकेंद्र के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी कर निर्माण प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उद्यानिकी विभाग की सहायक संचालक श्रीमती करुणा कश्यप, सहायक उद्यानिकी अधिकारी लोकेश्वर ध्रुव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा पूजा पर फिर खुलेंगे बैलाडीला खदान क्षेत्र के रास्ते

किरंदुल। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर बैलाडीला की खूबसूरत पहाड़ियों और एनएमडीसी के खनन क्षेत्र का दीदार करने वाले सैलानियों के लिए अच्छी खबर है। एनएमडीसी किरंदुल प्रबंधन ने 17 सितंबर को पर्यटकों के आवागमन की अनुमति देने का निर्णय लिया है। इससे पूरी परंपरा एक बार फिर कायम रहने की उम्मीद है और सैलानियों में खासा उत्साह है। इस बार बैलाडीला की यात्रा पर्यटकों के लिए और भी खास होगी। पहाड़ियों के बीच स्थित कैलाश नगर के भव्य भोलेनाथ मंदिर में दर्शन, पूजा-अर्चना भी की जाएगी। सरफिरी घाटी की प्राकृतिक खूबसूरती, पहाड़ों को चूमते बादल और चारों ओर फैली हरियाली सैलानियों को आकर्षित करेगी। बैलाडीला के बीच बैलाडीला का नजारा ऐसा दिखाई देता है, मानो सैलानी स्वर्गलोक में बादलों से ऊपर पहुंच गए हों। वहीं, लौह अयस्क खदानों में दौड़ती विशालकाय मशीनें भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। सैलानी इन आधुनिक मशीनों के करीब से देखने के साथ उनके साथ सेल्फी लेने का आनंद भी उठा सकेंगे। विश्वकर्मा पूजा के चलते खनन क्षेत्र में मशीनों और भारी उपकरणों की पूजा भी होगी।विश्वकर्मा पूजा पर छत्तीसगढ़ के अलावा पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में सैलानियों के किरंदुल-बैलाडीला पहुंचने की उम्मीद है। पहाड़, हरियाली, बादलों से ढकी घाटियां, कैलाश नगर का भोलेनाथ मंदिर और विशाल खनन मशीनें - यह अनोखा संगम पर्यटकों के लिए यादगार अनुभव बन सकता है।

पर्यटकों की संभावित भीड़ को देखते हुए एनएमडीसी किरंदुल के उप महाप्रबंधक (कार्मिक) द्वारा एसडीओपी किरंदुल को पत्र लिखकर विश्वकर्मा पूजा के दिन सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है। ऐसे में अब प्रशासन के सामने यातायात, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित रखने की चुनौती रहेगी।

किरंदुल अरविंद महाविद्यालय में छात्राओं के लिए हॉस्टल भवन की मांग,जयदीप माकन ने सांसद को लिखा पत्र

किरंदुल। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष जयदीप माकन ने किरंदुल के अरविंद महाविद्यालय में छात्राओं के लिए हॉस्टल भवन की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने बस्तर सांसद को पत्र प्रेषित किया है।माकन ने पत्र में उल्लेख किया है कि वनांचल क्षेत्र की बालिकाएं स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए क्षेत्र से बाहर के महाविद्यालयों में जाती है,जहां उन्हें हॉस्टल की सुविधा मिलती है।यदि किरंदुल अरविंद महाविद्यालय में ही छात्राओं के लिए हॉस्टल सुविधा उपलब्ध करा दी जाए तो स्थानीय छात्राएं अपने ही क्षेत्र में रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगी।उन्होंने पत्र में आग्रह किया है कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए महाविद्यालय में शीघ्र हॉस्टल भवन की स्वीकृति प्रदान की जाए,ताकि छात्राओं को पढ़ाई के लिए बाहर जाने की मजबूरी से मुक्ति मिल सके।

कौशल विकास के दावों के बीच दंतेवाड़ा के आश्रम की हकीकत: सातवीं का छात्र दो साल से काट रहा बच्चों के बाल!

आश्रम में पढ़ाई या बाल काटने का हुनर? सातवीं का छात्र दो साल से साथियों के बाल काट रहा, शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

दंतेवाड़ा। जिले में आदिवासी और बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास योजनाओं पर जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार, जिला प्रशासन और एनएमडीसी की पहल से युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, शिक्षा विभाग भी स्कूली बच्चों के भविष्य को संवारने और उनकी प्रतिभा को निखारने की दिशा में काम करने का दावा करता है। लेकिन इन दावों के बीच दंतेवाड़ा के एक आश्रम से सामने आई तस्वीर व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। मामला एक सातवीं कक्षा के छात्र से जुड़ा है, जो करीब दो वर्षों से आश्रम में रहकर पढ़ाई कर रहा है। पढ़ाई और खेलकूद में आगे बढ़ने की उम्र में यह छात्र अपने साथी बच्चों के बाल काटने का काम कर रहा है। पूछने पर छात्र ने बताया कि वह करीब दो साल से आश्रम में रहने के दौरान अपने साथियों के बाल काटता आ रहा है।हैरानी की बात यह है कि बाल काटने के लिए बच्चे के पास किसी तरह की सुरक्षित या प्रशिक्षित हेयर कटिंग मशीन नहीं, बल्कि कपड़ा काटने वाली कैंची, एक कंघी और बेल्ट जैसे सामान का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन साधनों से बच्चों के बाल काटे जाने की बात सामने आई है।जब साथी बच्चों से पूछा गया कि उन्हें इस तरह बाल कटवाने में डर नहीं लगता, तो उन्होंने बताया कि वे कई बार अपने दोस्त से बाल कटवा चुके है और उन्हें भरोसा है कि वह गलती नहीं करेगा। सवाल यह है कि जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताब, कॉपी, खेल का सामान और भविष्य के सपने होने चाहिए, उस उम्र में एक बच्चा कैंची और दूसरे असुरक्षित साधनों से अपने साथियों के बाल काट रहा है।माता-पिता अपने बच्चों को आश्रम और स्कूल इसलिए भेजते है कि उन्हें बेहतर शिक्षा मिले, उनकी प्रतिभा सामने आए और वे आगे चलकर आईएएस, आईपीएस, खिलाड़ी या किसी अन्य क्षेत्र में जिले और प्रदेश का नाम रोशन करें।

सिजेरियन की ट्रेनिंग लेकर बैठे डॉक्टर, फिर भी नर्सों के भरोसे प्रसव व्यवस्था, जीवन दीप समिति की राशि के बंदरबांट का आरोप

अंतागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की खुली पोल

भानुप्रतापपुर। अंतागढ़ स्थित शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों अपनी बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक घोर लापरवाही को लेकर सुर्खियों में है। एक तरफ जहां राज्य सरकार ग्रामीण अंचलों में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए डॉक्टरों को लाखों रुपये खर्च कर सिजेरियन प्रसव का विशेष प्रशिक्षण दिला रही है, वहीं दूसरी ओर अंतागढ़ अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर अपनी मूल जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ते नजर आ रहे हैं। आलम यह है कि सिजेरियन तो दूर, यहां सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) भी डॉक्टरों की देखरेख के बजाय पूरी तरह नर्सों के भरोसे छोड़ी ठोककर कराया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अंतागढ़ अस्पताल में पदस्थ डॉ. रामटेके सहित अन्य चिकित्सकों को शासन द्वारा सिजेरियन डिलीवरी कराने हेतु विशेष प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशिक्षण के दौरान स्पष्ट अनुबंध होता है कि विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपस्थिति या जटिल मामलों में आवश्यकता पड़ने पर आसपास के अन्य शासकीय अस्पतालों से डॉक्टरों की सेवाएं ली जा सकती हैं। इसके बावजूद, प्रसव के लिए पहुंचने वाली गर्भवती महिलाओं को आपात स्थिति में तत्काल सहायता देने के बजाय सीधे जिला अस्पताल या अन्य बड़े सेंटरों में रेफर कर दिया जाता है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जब डॉक्टर स्वयं सिजेरियन प्रसव का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, तो वे जोखिम लेने और मरीजों को राहत देने के बजाय अपनी जवाबदेही से क्यों बच रहे हैं?

जीवन दीप समिति के बजट पर डाका!

अस्पताल की इस बदहाली के बीच दूसरा बड़ा मामला जीवन दीप समिति की राशि के बेधड़क इस्तेमाल और कथित घपलेबाजी का सामने आ रहा है। आरोप है कि ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर द्वारा रोजाना के खर्चों और अस्पताल के रखरखाव के नाम पर जीवन दीप समिति के खाते से लगातार राशि आहरित की जा रही है। लेकिन धरातल पर न तो मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल पा रही हैं और न ही आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था में कोई सुधार दिख रहा है। अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि समिति का फंड केवल कागजी खानापूर्ति और आपसी बंदरबांट की भेंट चढ़ रहा है।

जोखिम में गरीब मरीजों की जान

अंतागढ़ व आसपास के वनांचल क्षेत्रों से रोजाना दर्जनों गरीब व आदिवासी परिवार इस उम्मीद में शासकीय अस्पताल पहुंचते हैं कि उन्हें सुलभ और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। परंतु प्रसव जैसे संवेदनशील मामलों में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और केवल स्टाफ नर्सों के भरोसे प्रसूताओं को छोड़ देना किसी बड़े हादसे को आमंत्रण देने जैसा है। जब शासन डॉक्टरों पर प्रशिक्षण का लाखों रुपया खर्च कर रहा है और अनुबंध में आसपास से डॉक्टरों को बुलाने का स्पष्ट प्रावधान है, तो फिर प्रसूताओं को भगवान भरोसे क्यों छोड़ा जा रहा है? जीवन दीप समिति के मद से रोजाना निकलने वाली राशि का निष्पक्ष ऑडिट होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने की जिलेवासियों से अपील

बलरामपुर। राज्य शासन के दिशा-निर्देशानुसार जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक माहभर चलने वाले सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस महाअभियान के सफल

क्रियान्वयन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री रमाकांत चंद्राकर ने जिले के समस्त नागरिकों से आगे आकर सहभागिता निभाने की अपील की है। श्री चंद्राकर ने अपने संदेश में कहा कि सेवा के गौरवशाली 25 वर्षों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प में भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा, सहभागिता और सामाजिक सरोकार की भावना से ही समृद्ध, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बलरामपुर-रामानुजगंज जिले का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी ही किसी भी शासकीय अभियान की सफलता की वास्तविक कुंजी है। अत: सभी जिलेवासी, युवा, सामाजिक संस्थाएं एवं प्रबुद्ध नागरिक अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ें और इसे जनांदोलन का स्वरूप देकर जनसेवा की नई मिसाल कायम करें, जिससे जिला विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य में अग्रणी भूमिका निभा सके।

राखड़ सप्लाई लाइन का पुराने लोहे का पाइप चोरी,कार्रवाई की मांग की

कोरबा। एनटीपीसी जमनीपाली के धनरास राखड़ डेम में राखड़ सप्लाई लाइन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पुराने लोहे के पाइप चोरी होने का मामला सामने आया है। स्टॉक में रखे छोटे-बड़े 9 नग लोहे के पाइप, जिनका वजन करीब 2500 किलो और कीमत करीब 35 हजार रुपए बताई गई है, चोरी होने की रिपोर्ट कटघोरा थाने में दर्ज कराई गई है। चोरी के पाइप एक पिकअप वाहन में लावारिस हालत में मिलने के बाद उनकी तस्दीक की गई, जिसके आधार पर पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफअपराध दर्ज किया है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में अभय कुमार सिंह पिता धर्मनाथ सिंह (36), निवासी डोआय थाना आंदर जिला सिवान बिहार, हाल मुकाम कावेरी विहार एनटीपीसी जमनीपाली थाना दर्री, जिला कोरबा ने बताया कि 1 नवंबर 2024 से एनटीपीसी राखड़ डेम धनरास में राखड़ सप्लाई से संबंधित लोहे की पाइप रिपेयरिंग का काम उनकी कंपनी रोशनी इंटरप्राइजेस को दो वर्ष के लिए ठेके में मिला है। कंपनी को एनटीपीसी द्वारा क्षतिग्रस्त पाइप निकालकर नए पाइप लगाने का काम दिया गया है। इसके तहत राखड़ सप्लाई में इस्तेमाल होने वाले पुराने पाइपों को निकालकर धनरास राखड़ डेम में एक स्थान पर स्टॉक किया गया था। 10 सितंबर को एनटीपीसी राखड़ डेम प्रबंधन कार्यालय से कटघोरा पुलिस की कार्रवाई की जानकारी मिली। बताया गया कि थाना कटघोरा में धारा 106 बीएनएसएस के तहत एक पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 12 बीआर 1997 को जप्त किया गया है, जिसमें पुराने इस्तेमाल किए हुए लोहे के पाइप लदे हुए हैं। इसके बाद अभय कुमार सिंह ने धनरास राखड़ डेम पहुंचकर कंपनी द्वारा स्टॉक किए गए पुराने पाइपों की जांच की। जांच में स्टॉक से 9 नग छोटे-बड़े लोहे के पाइप गायब मिले।

चोरी की जानकारी दुकान मालिक को देना पड़ा भारीः युवक पर जानलेवा हमला, 3 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में चोरी की जानकारी दुकान मालिक को देने से नाराज होकर एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि चार लोगों ने युवक को घेरकर गाली-गलौज की और हाथ-मुक्का व लात से जमकर मारपीट की। इस दौरान उसका गला दबाने के साथ सिर पर कड़े से भी हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले में बांकीमोंगरा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को भी विधि के अनुसार हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, अजय सिदार (23) निवासी चाकाबुड़ा छिछमेपारा ने 10 सितंबर को बांकीमोंगरा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 9 सितंबर की सुबह करीब 4 बजे अजय ने गांव के सल्हियापारा स्थित एक दुकान के पुराने घर से कान्हा अगरिया, बिज्जू और सोनू अगरिया को कथित तौर पर चोरी का सामान ले जाते देखा था। इसके बाद उसने इसकी जानकारी दुकान मालिक को दे दी। पुलिस के अनुसार, इसी बात को लेकर आरोपियों में अजय के प्रति रंजिश थी। आरोप है कि 9 सितंबर की रात करीब 9 बजे अजय तालाब के पास था।

सुशासन का ढोल पीट रही सरकार के विकास के दावों की पोल खोलती दो तस्वीरें

झेलेंगी में मरीज,घुटने भर पानी में महिलाएं-सरगवां में ग्रामीण बोले,अब तो भीख में ही दे दो सड़क पुलिया...

बलरामपुर। सुशासन का ढोल पीट रही सरकार के विकास के दावों की पोल खोलती दो तस्वीरें बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत सरगवां से सामने आई हैं। बम्हनी नाले पर पुल नहीं होने से ग्रामीणों को जिंदगी और मौत के बीच जूझना पड़ रहा है, और सिस्टम है कि आंख मूंदे बैठा है। पहली तस्वीर रोंगटे खड़े कर देती है। दो युवक एक बीमार महिला को बांस के सहारे झेलेंगी में टांगकर कंधे पर ढो रहे हैं। 108 एंबुलेंस को फोन किया गया, लेकिन पुलिया नहीं होने से एंबुलेंस गांव की सीमा तक भी नहीं पहुंच पाई। मजबूरन ग्रामीणों को महिला को झेलेगी में लादकर 3 किलोमीटर तक पैदल उफनते नाले को पार कर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि गर्भवती

महिलाओं और बुजुर्गों के लिए तो यह रोज की सजा बन गई है। दूसरी तस्वीर सिस्टम को आइना दिखाती है। दो दर्जन से अधिक ग्रामीण बम्हनी नाले के किनारे खड़े होकर हमारी मांगे पूरी करो, सड़क-पुलिया भीख में दे दो का नारा लगाते हुए सरकार के खिलाफ आक्रोश जता रहे हैं। हाथों में तख्ती, चेहरे पर गुस्सा और जुबान पर एक ही मांग - अब हक नहीं, भीख में ही दे दो। **500 की आबादी और पहाड़ी कोरवा बंधक** - जानकारी के मुताबिक बम्हनी नाला गांव के बीचो-बीच मौत के मुहाने की तरह बहता है। जरा सी बारिश में ही यह रौद्र रूप ले लेता है। नाले के उस पार विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों सहित करीब 500 की आबादी बंधक बन जाती है। बरसात में इनका संपर्क पूरी तरह से टूट जाता है। बच्चे स्कूल नहीं जा पाते, राशन दुकान तक पहुंचना जंग जीतने जैसा हो जाता है और बीमार व्यक्ति के लिए तो यह नाला काल बन जाता है। **25 साल से सुनवाई नहीं-ग्रामीणों का आरोप है कि 25 साल से वे शासन-प्रशासन** के चक्कर काट रहे हैं। हर जनदर्शन, हर चुनावी सभा में बम्हनी नाले पर पुल की मांग उठाई गई, लेकिन जनप्रतिनिधियों और अफसरों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। हर बार सिर्फ झूठा आश्वासन और चुनावी जुमला मिला, धरातल पर एक ईंट तक नहीं लगी। अब सवाल उठता है कि क्या जिला प्रशासन सरगवां के पहाड़ी कोरवा परिवारों और 500 ग्रामीणों की किसी अनहोनी का इंतजार कर रहा है?

गणपति धाम में आरती के साथ गणेश पूजा उत्सव का शुभारंभ..

■ हाथीपखना स्थित गणपति धाम में उमड़े श्रद्धालु, सुख-शांति और समृद्धि की कामना

अंबिकापुर। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर महमाया पहाड़ी, हाथीपखना स्थित गणपति धाम में भगवान श्री गणेश की आरती एवं पूजा-अर्चना के साथ गणेशोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अंबिकापुर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणपति धाम पहुंचे और भगवान गणेश की आरती में शामिल होकर सुख, शांति, समृद्धि एवं परिवार के मंगल की कामना की। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया

तथा उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना ट्रस्ट के संरक्षक भरत सिंह सिसोदिया ने कहा कि हाथीपतना स्थित गणपति धाम सरगुजा की धार्मिक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। महमाया पहाड़ी की प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच स्थित यह स्थल श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर हम सभी प्रार्थना करते हैं कि भगवान गणेश सरगुजा सहित पूरे प्रदेश में सुख-शांति, समृद्धि और सौहार्द प्रदान करें। गणपति धाम के विकास और धार्मिक पहचान को आगे बढ़ाने के लिए ट्रस्ट निरंतर प्रयास करता रहेगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह शैलू ने कहा कि गणपति धाम श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास से जुड़ा पवित्र स्थल है।

दलहपहाड़ में वृहद वृक्षारोपण

कोटा (बिलासपुर)। डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, करगी रोड कोटा, बिलासपुर के रसायन विज्ञान विभाग, इंटरनेशनल इको क्लब स्टूडेंट चैप्टर एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में दलहा पहाड़ पर वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान दलहा पहाड़ को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-संरक्षित क्षेत्र के रूप में विकसित करने की प्रेरणा से आयोजित किया गया। इस अभियान के प्रेरणास्रोत श्री राधेश्याम महाराज रहे। अभियान को दलहा पहाड़ समिति का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ, जिसमें उपाध्यक्ष श्री बैकुंठ जायसवाल, सचिव श्री कुम्हन जायसवाल, सहसचिव श्री राजकुमार यादव, कोषाध्यक्ष श्री ब्रह्म यादव पंडित एवं लेखा प्रभारी श्री लेखराम जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्वविद्यालय परिवार एवं इको क्लब ने इसके लिए समिति के सभी पदाधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, रसायन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि वर्मा एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमित शर्मा तथा अन्य विभागों के प्राध्यापकों के कर-कमलों द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अभियान में विभाग के 78 विद्यार्थियों और 10 प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नीम, पीपल, बरगद, करंज, आम, आंवला जैसे 100 से अधिक पर्यावरण-अनुकूल पौधों का रोपण किया। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ नेतृत्व के द्वारा निरंतर प्रेरणा एवं प्रोत्साहन : विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. प्रदीप घोष ने अपने संदेश में कहा, दलहा पहाड़ पर किया गया यह वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित विरासत का निर्माण है।

सरगुजा में नेटबॉल के प्रति बढ़ रहा खिलाड़ियों का रुझान,जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता में बालक-बालिकाओं ने लिया हिस्सा..

■ राज्य व राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटे सरगुजा के नेटबॉल खिलाड़ी

अम्बिकापुर। नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन सरगुजा द्वारा जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बालक-बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करते हुए चयन प्रक्रिया में भाग लिया। चयनित खिलाड़ी आगामी राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सरगुजा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की बढ़ी भागीदारी से जिले में नेटबॉल के प्रति बढ़ती रुचि का पता चला। खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलने के साथ ही जिले में इस खेल को नई दिशा मिल रही है। नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कोच राजेश

प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा के खिलाड़ी लगातार राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिलता है और उनकी प्रतिभा निखरती है। नियमित प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें उच्च स्तर की चुनौतियों के लिए तैयार होने का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। संघ द्वारा खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के माध्यम से आगे बढ़ने के अवसर दिए जा रहे हैं। प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को खेल की तकनीक, अनुशासन और टीम भावना के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। संघ का प्रयास है कि जिले के अधिक से अधिक खिलाड़ियों को नेटबॉल से जोड़ा जाए और उन्हें राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिले। राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को खेल विभाग द्वारा नियमानुसार डाइट मनी के रूप में नगद राशि प्रदान की जाती है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नेटबॉल को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इससे नए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों ने भी नियमित प्रशिक्षण और ऐसे आयोजनों को खेल के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान - ''आंगन मिलन सेवा'' में सहभागी बनें जिलेवासी

■ खिलौना दान कर बच्चों से साझा करें सेवा और स्नेह का भाव -स्वेच्छा से खिलौने दान कर आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्नों के चेहरे पर मुस्कान लाएं जिलेवासी -कलेक्टर

बलरामपुर, जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले ''सेवा संकल्प अभियान'' के अंतर्गत आयोजित होने वाली विविध जनभागीदारी गतिविधियों की कड़ी में ''आंगन मिलन सेवा (आंगनबाड़ी सम्मान एवं मातृ सम्मान)'' कार्यक्रम 25 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस अवधि में जिले के सभी 2371 आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जनसहयोग से खिलौनों का वितरण किया जाएगा। खिलौना दान इस आयोजन का सबसे आत्मीय पक्ष है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिलेवासियों से आह्वान किया है कि वे अपने घरों में उपलब्ध ऐसे सुरक्षित एवं उपयोगी खिलौने, जिनका उपयोग अब नहीं हो रहा है, आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को भेंट करें। जो नागरिक चाहें, वे स्वेच्छा से नए खिलौने भी बच्चों को दान कर उनकी खुशी में अपना योगदान दे सकते हैं। नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठान - कोई भी 25 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच अपने निकटतम आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंचकर इस पहल का हिस्सा बन सकता है। कलेक्टर ने अपनी अपील में कहा है कि आंगनबाड़ी केन्द्र बच्चों के जीवन की पहली पाठशाला हैं और इन्हें अधिक आनंदमय, आकर्षक तथा सीखने योग्य बनाने में समाज की सहभागिता निर्णायक भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि आपका छोटा सा सहयोग किसी बच्चे के चेहरे पर बड़ी मुस्कान ला सकता है और उसके सीखने की यात्रा को और समृद्ध कर सकता है। बच्चों के लिए किया गया हर छोटा प्रयास उनके उवल भविष्य की नींव को मजबूत करता है। खिलौने बच्चों के लिए केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते। खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया, रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति, भाषा, सामाजिक व्यवहार और बौद्धिक विकास-इन सबकी नींव इन्हीं से पड़ती है। जनसहयोग से मिले खिलौनों का उपयोग केन्द्रों में बच्चों के लिए आनंदमय और सीखने योग्य वातावरण तैयार करने में किया जाएगा। जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक चलने वाली ''आंगन मिलन सेवा'' में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें और खिलौना दान कर सेवा को संकल्प तथा संकल्प को जनभागीदारी का स्वरूप प्रदान करें।

अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों पर सरगुजा पुलिस की बड़ी कार्यवाही,138.4 किग्रा गांजा,स्कॉर्पियो वाहन समेत कुल 90 लाख का मशरुका जप्त.....

■ डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन में थाना लुण्ड्रा पुलिस टीम द्वारा तत्परता से मामले में की गई सख्त कार्यवाही, 02 आरोपी हुए गिरफ्तार

अंबिकापुर / डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन में समस्त थाना चौकी प्रभारियों कों अवैध मादक की तस्करी में शामिल आरोपियों/संदेहियो पर सतत निगाह रखकर तस्करी में शामिल आरोपियों के विरुद्ध तत्परता से कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है, इसी क्रम में थाना लुण्ड्रा पुलिस टीम कों दिनांक 13/09/2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति ओडिशा के ब्रह्मपुर से सफेद रंग की स्कॉर्पियो वाहन में अवैध मादक पदार्थ गांजा भरकर उत्तर प्रदेश की ओर ले जा रहे है। सूचना पर थाना लुण्ड्रा पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए नाकाबंदी कर बरगडीह के पास घेराबंदी की गई। पुलिस टीम को देखकर आरोपी स्कार्पियो एन वाहन कों मौके पर छोड़कर पास के गन्ने के खेत में छिप गए। पुलिस ने सर्चिंग अभियान चलाकर गन्ने के खेत से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया, पुलिस टीम द्वारा दोनों आरोपियों से पूछताछ करने पर अपना नाम (01) बलराज सिंह बिन्द्रा आत्मज कवलजीत सिंह उम्र 23 वर्ष साकिन गाजियाबाद इंदिरापुरम न्यायखंड 2 गाजियाबाद उत्तर प्रदेश (02) अजय बंसल उर्फ अजय बैसला आत्मज धन्नू उम्र 23 वर्ष साकिन इंदिरापुरम, जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश का होना बताये, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। दोनों आरोपियों के निशानदेही पर पुलिस टीम द्वारा स्कार्पियो

एन वाहन से 53 पैकेटों में रखा हुआ कुल 138.4 किलोग्राम अवैध मादक ओदार्थ गांजा कीमती लगभग 69 लाख रुपये, स्कार्पियो एन वाहन कीमत लगभग 20 लाख रुपये, आरोपियों के 02 नग मोबाइल फोन कीमत लगभग 01 लाख रुपये कुल जुमला मशरुका लगभग 90 लाख रुपये जप्त किया गया, आरोपियों से जप्त अवैध मादक पदार्थ गांजा के सम्बन्ध में आरोपियों द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर आरोपियों के विरुद्ध थाना लुण्ड्रा में अपराध क्रमांक 216/26 धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर प्रकरण के आरोपियों कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। सरगुजा पुलिस द्वारा तस्करी के इस पूरे नेटवर्क और फरार आरोपी की पतासाजी हेतु पुलिस की अग्रिम कार्यवाही जांच विवेचना जारी है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी लुण्ड्रा निरीक्षक असफाक अहमद अंसारी, चौकी प्रभारी रघुनाथपुर उप निरीक्षक आर. एन. पटेल, सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक महेश कुमार, आरक्षक शिवप्रसाद खलखो, इबनुल खान, बहाल राम, आशिष सक्रिय रहे।

नाश्ते में ऐसी चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड

ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड

ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज

केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स

नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस

आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी

सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

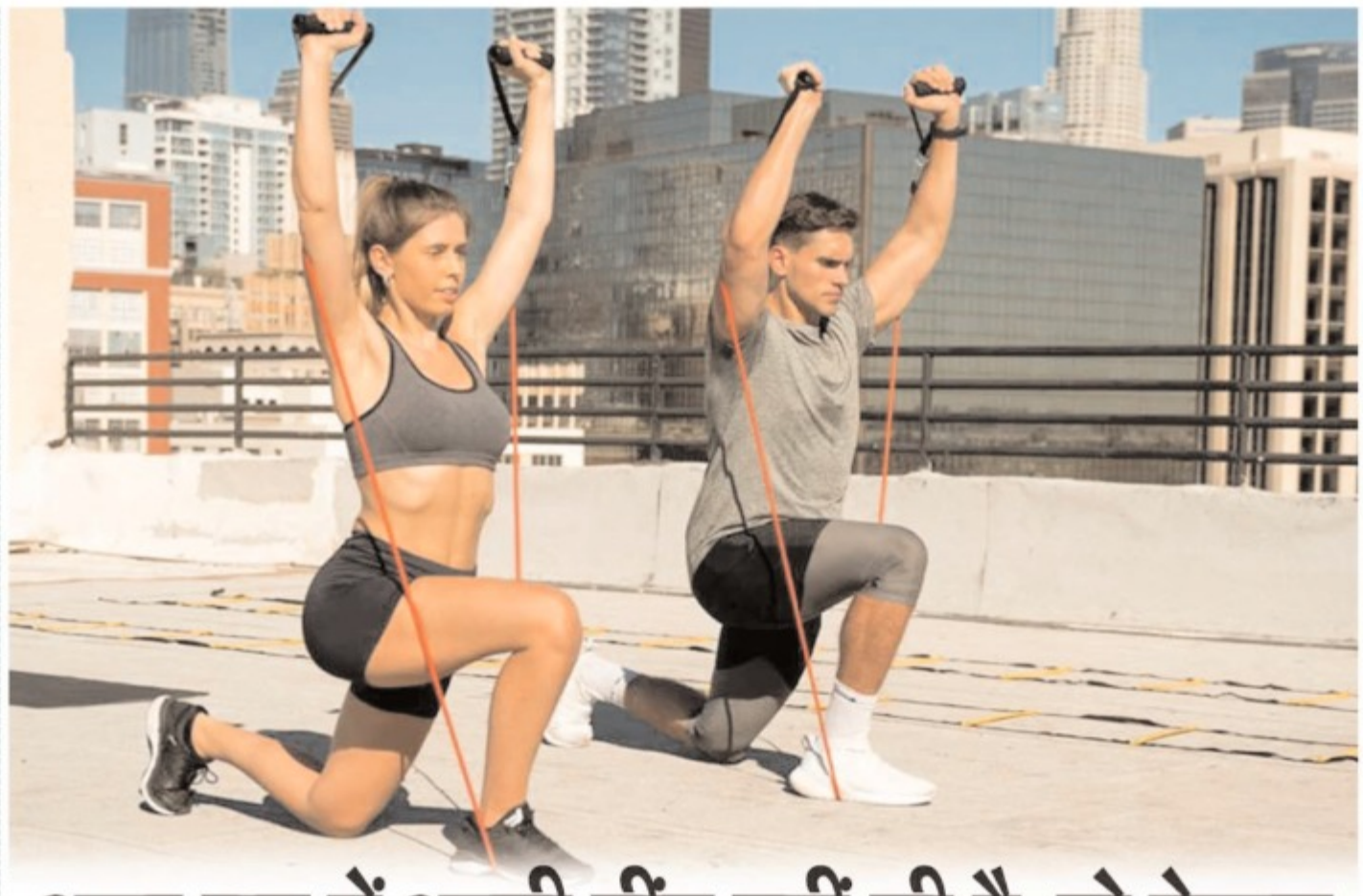

अगर रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपको रख सकता है स्वस्थ

एक शोध से यह बात सामने आई है कि अगर आपने रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रख सकता है।

पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन से पता चला है कि नींद, ऑक्सीजन का स्तर और व्यायाम हमारी मानसिक कार्य करने की क्षमता को कैसे प्रभावित करते हैं। टीम ने पाया कि मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम से सोचने की क्षमता में सुधार होता है, चाहे किसी व्यक्ति की नींद की स्थिति या ऑक्सीजन का स्तर कुछ भी हो। यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ स्पोर्ट हेल्थ एंड एक्सरसाइज साइंस (एसएचईएस) के जो कॉस्टेलो ने कहा, हम मौजूदा शोध से जानते हैं कि ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर भी व्यायाम हमारे सोचने की क्षमता को बेहतर बनाता है लेकिन यह पहला अध्ययन है जो सुझाव देता है कि पूर्ण और आंशिक नींद की कमी के बाद और हाइपोक्सिया के साथ यह मानसिक विकास में भी सुधार करता है। उन्होंने कहा, व्यायाम और इन तनावों के बीच संबंधों के बारे में हम जो जानते हैं, उसमें ये निष्कर्ष महत्वपूर्ण रूप से जुड़ते हैं और इस संदेश को सुदृढ़ करने में मदद करते हैं कि व्यायाम शरीर और मस्तिष्क के लिए दवा है।

फिजियोलॉजी एंड बिहेवियर में प्रकाशित अध्ययन में दो प्रयोग शामिल थे, प्रत्येक में 12 प्रतिभागी (कुल 24) थे। पहले में किसी व्यक्ति के संज्ञानात्मक प्रदर्शन पर आंशिक नींद की कमी के प्रभाव को देखा गया, और दूसरे ने कुल नींद की कमी और हाइपोक्सिया के प्रभाव की जांच की। दोनों में सभी प्रतिभागियों ने 20 मिनट की साइकिलिंग के बाद मानसिक विकास प्रदर्शन में सुधार का अनुभव किया। कॉस्टेलो ने कहा, क्योंकि हम व्यायाम को एक सकारात्मक हस्तक्षेप के रूप में देख रहे थे, इसलिए हमने अनुशंसित मध्यम तीव्रता वाले एक्सरसाइज का उपयोग करने का निर्णय लिया। यदि व्यायाम अधिक लंबा या कठिन होता तो इसके नकारात्मक परिणाम बढ़ सकते हैं और यह स्वयं तनाव का कारण बन सकता था। पहले प्रयोग में व्यक्तियों को तीन दिनों में रात में केवल पांच घंटे सोने की अनुमति दी गई थी। प्रत्येक सुबह उन्हें आराम करने के लिए और फिर साइकिल चलाने के दौरान सात कार्य दिए गए। उन्हें कार्य पूरा करने से पहले अपनी नींद और मनोदशा का मूल्यांकन करने के लिए भी कहा गया। परिणामों से पता चला कि कार्यों पर तीन रातों की आंशिक नींद का प्रभाव असंगत था। पेपर में कहा गया है कि इसका स्पष्टीकरण यह हो सकता है कि कुछ लोग हल्की या मध्यम नींद की कमी के प्रति अधिक लचीले होते हैं। हालांकि, नींद की स्थिति की परवाह किए बिना, मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम ने सभी कार्यों में प्रदर्शन में सुधार किया। दूसरे प्रयोग में प्रतिभागियों को पूरी रात बिना नींद के गुजारनी पड़ी और फिर उन्हें विश्वविद्यालय के चरम पर्यावरण प्रयोगशालाओं में हाइपोक्सिक (ऑक्सीजन का निम्न स्तर) वातावरण में रखा गया। ऑक्सीजन का स्तर कम होने के बावजूद, व्यायाम से मानसिक विकास में सुधार जारी रहा।

आंखों को राहत देगा गुलाब जल

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अतः अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

इन 5 फूड से करें हाई बीपी को कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर एक सामान्य बीमारी है, जो लंबे समय में हार्ट फेल जैसे गंभीर परिणाम देता है। इस बीमारी को साइलेंट किलर भी कहा जाता है, क्योंकि इसके होने पर कोई संकेत नजर नहीं आते हैं। यह बीमारी खून की नलियों के सिकुड़ने से और गंभीर हो जाती है।

न्यूट्रिशनिस्ट ने हाल ही में कुछ पोटेशियम युक्त फूड की लिस्ट शेयर की है जिसके सेवन से हाई बीपी की परेशानी को घर पर ही कंट्रोल किया जा सकता है। एक्सपर्ट बताती हैं कि हार्ट डिजीज के जोखिम को बढ़ाने वाले हाई ब्लड प्रेशर को खानपान और जीवनशैली में बदलाव से ठीक किया जा सकता है।

केला

पोटेशियम सोडियम के प्रभाव को कम करता है और खून की नलियों में तनाव को कम करता है। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए केले का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम मौजूद होता है।

खजूर

खजूर में भरपूर मात्रा में पोटेशियम और मैग्नीशियम के साथ-साथ सोडियम कम मात्रा में होता है। पोटेशियम और मैग्नीशियम दोनों ही नलियों में खून के फ्लो को सुगम बनाने और उच्च रक्तचाप को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

नारियल पानी

नारियल पानी में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो इसे हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीजों के लिए सेहतमंद बनाता है। लेकिन यदि आप हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं ले रहे हैं, तो इसके सेवन से बचें।

अमरनाथ का आटा

रोज चौलाई जैसे साबुत अनाज खाने से ब्लड प्रेशर के लेवल को कम करने में मदद मिल सकती है। अमरनाथ का आटा उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन, पोटेशियम, आहार फाइबर और खनिजों का एक उत्कृष्ट स्रोत है। इसमें पेप्टाइड्स भी होते हैं जिसमें एंटीहाइपरटेन्सिव गुण होते हैं।

मोठ दाल

मोठ दाल फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, प्रोटीन से भरपूर होती है। यह बॉडी में उन एंजाइम को रोकने काम करती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए मोठ दाल फायदेमंद होता है।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून

सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

स्वरूपानन्द महाविद्यालय में इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का आयोजन- परंपरा भी, प्रकृति भी

भिलाई। स्वामी श्री स्वरूपानन्द सरस्वती महाविद्यालय, हुडको, में विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्सवों के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से ÷इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला÷ का आयोजन कला संकाय, वाणिज्य विभाग, माइक्रोबायोलॉजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।कार्यशाला में विद्यार्थियों को बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के श्री डिकेश चंद्राकर एवं बीए तृतीय सेमेस्टर फ़हद कामरान खान ने इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा बनाने की विधि का प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं जैव-अवक्रमणीय सामग्री से गणेश प्रतिमा निर्माण की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना तथा पारंपरिक उत्सवों को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ना था। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने प्राकृतिक मिट्टी एवं पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों का उपयोग करते हुए गणेश प्रतिमा निर्माण की प्रक्रिया सीखी और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।इसी उद्देश्य से प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया गया तथा प्रतिमाओं में बीज भी डाले गए। विसर्जन के पश्चात मिट्टी में मौजूद बीजों से पौधे उगेंगे जो हरियाली और खुशहाली का संदेश देंगे।

विद्यार्थियों ने प्लास्टर ऑफ पेरिस एवं प्रदूषणकारी सामग्रियों के विकल्प के रूप में प्राकृतिक सामग्री का उपयोग किया गणेश प्रतिमाओं को आकर्षक एवं पारंपरिक स्वरूप प्रदान करने के लिए हल्दी, चावल, धान, फूल-पत्तियां, विभिन्न दालें, सिंदूर एवं चंदन जैसी प्राकृतिक एवं आसानी से उपलब्ध सामग्री का रचनात्मक उपयोग किया। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि आस्था और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर भी उत्सव को सुंदर एवं सार्थक बनाया जा सकता है। जल स्रोतों के संरक्षण तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने ÷ग्रीन गणेश ङ्क स्वच्छ पर्यावरण÷ का संदेश देते हुए पर्यावरण-अनुकूल गणेश उत्सव मनाने का संकल्प लिया।

डॉ. दीपक शर्मा, एवं डॉ मोनिशा शर्मा निदेशक, श्री शंकराचार्य शैक्षणिक परिसर हुडको ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमारी आस्था तभी सार्थक है, जब उसके साथ प्रकृति के प्रति सम्मान और संरक्षण की भावना भी जुड़ी हो। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विद्यार्थी इस संदेश को अपने परिवार एवं समाज तक पहुँचाकर हरित, स्वच्छ एवं प्रदूषण-मुक्त उत्सव की दिशा में सकारात्मक योगदान देंगे।

प्राचार्य डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है और विद्यार्थियों की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा निर्माण जैसी गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में रचनात्मकता, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि त्योहार हमारी संस्कृति और आस्था के प्रतीक हैं, इसलिए इन्हें प्रकृति के संरक्षण के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से प्राकृतिक एवं पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों को अपनाने तथा समाज में हरित एवं प्रदूषण-मुक्त उत्सव का संदेश प्रसारित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुनीता वर्मा, विभागाध्यक्ष, कला संकाय; डॉ. शमा ए. बेग, विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग एवं डॉ शर्मिला शामल विभागाध्यक्ष वाणिज्य द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं जैव-अवक्रमणीय सामग्रियों का उपयोग करने तथा त्योहारों को पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ÷हमारी आस्था और हमारी प्रकृति दोनों का सम्मान होना चाहिए। छोटे-छोटे पर्यावरण-अनुकूल प्रयास मिलकर स्वच्छ एवं हरित भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।÷

श्रीमती खुशबू पाठक , विभागाध्यक्ष प्रबंधन ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमा निर्माण केवल एक रचनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।

कार्यशाला का संदेश रहा—

श्रद्धा वही, उत्सव वही–बस प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी नई।

मिट्टी का गणेश बनाएँ, पर्यावरण को बचाएँ।

स्वामी श्री स्वरूपानन्द सरस्वती महाविद्यालय विद्यार्थियों को ऐसे रचनात्मक एवं पर्यावरण-संवेदनशील कार्यक्रमों के माध्यम से हरित, स्वच्छ एवं सतत भविष्य की दिशा में निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मंजू कनौजिया, सह प्राध्यापक, शिक्षा विभाग; सहायक प्राध्यापक वाणिज्य श्री अमरजीत; इंद्राणी दास, सहायक प्राध्यापक, प्रबंधन संकाय एवं ज्योति मिश्रा सहायक प्राध्यापक कला संकायने विशेष सहयोग प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा निर्माण की गतिविधियों में मार्गदर्शन प्रदान किया तथा कार्यशाला की व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों के सुचारु संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।

इको फ्रेंडली गणेश मूर्तिकला वर्कशॉप ने विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ ÷परंपरा के साथ पर्यावरण संरक्षण÷ का प्रभावी संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का उत्साह एवं सहभागिता उल्लेखनीय रही।

बीच शहर से रॉयल एनफील्ड चोरी, पुलिस पेट्रोलिंग पर उठे सवाल

एक दिन पहले भी हुई थी बाइक चोरी,लगातार, वारदातों से लोगों में बढ़ा डर

बलरामपुर । जिला मुख्यालय में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और रात्रि पेट्रोलिंग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शुक्रवार रात करीब 10 बजे से शनिवार दोपहर 3 बजे के बीच इंडियन गैस एजेंसी के पास से रॉयल एनफील्ड मेटियोर मोटरसाइकिल क्रमांक CG 30 PSC 8297 चोरी हो गई। घटना शहर के बीचों-बीच होने के बावजूद चोर के बेखौफ होकर बाइक ले जाने से पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस घटना से एक दिन पहले भी बलरामपुर थाना क्षेत्र में बाइक चोरी की वारदात हुई थी। लगातार दूसरी बाइक चोरी की घटना सामने आने से लोगों में अब घर और प्रतिष्ठान के बाहर वाहन खड़ा करने को लेकर भी भय का माहौल है। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हुआ है जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति बाइक ले जाता दिखाई दे रहा है। इसके बावजूद अभी तक चोर का सुराग नहीं लगना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। लोगों का कहना है कि यदि शहर के प्रमुख स्थानों पर नियमित और प्रभावी पुलिस पेट्रोलिंग हो रही है तो चोर इतने आसानी से वारदात को अंजाम देकर कैसे निकल जा रहे हैं? लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस की रात्रि गश्त पर भी चर्चा तेज कर दी है। अब देखने वाली बात होगी कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी तक कब पहुंचती है या नहीं। अब सवाल यह है कि जिस तरह से पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है कहीं यह घटना भी जांच और फाइलों में सिमटकर सिमट कर ना रह जाए ऐसा लोगों का कहना है।

जिले में 6 हजार हितग्राहियों के घरों में लगे सोलर पैनल,चला रहे जागरूकता अभियान

ग्राम पंचायतों में अधिक से अधिक परिवारों को सौर ऊर्जा अपनाने कर रहे प्रेरित

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिले की ग्राम पंचायतों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विभिन्न ग्राम पंचायतों में सूर्य सभा का आयोजन कर ग्रामीणों एवं नागरिकों को योजना के लाभ, पात्रता तथा सोलर रूफटॉप लगाने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। सूर्य सभा एवं जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक परिवारों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लगभग 6 हजार हितग्राहियों के घरों में सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। सोलर पैनल स्थापित होने से हितग्राहियों को बिजली बिल में बचत के साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा का लाभ मिल रहा है। योजना का उद्देश्य घरों की छतों पर सोलर पैनल स्थापित कर परिवारों को सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना तथा बिजली के खर्च को कम करना है। सूर्य सभाओं में ग्रामीणों को बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत पात्र परिवार अपने घर की छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित करा सकते हैं। हितग्राहियों को केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली अनुदान राशि, ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज तथा सोलर पैनल स्थापना के बाद मिलने वाले लाभों की जानकारी दी जा रही है।

भिलाई की गणेश समितियों को बड़ी राहतः प्रेम प्रकाश पाण्डेय की पहल रंग लाई, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव से चर्चा के बाद निगम शुल्क की समस्या का त्वरित समाधान

भिलाई। गणेश उत्सव की तैयारियों के बीच नगर निगम द्वारा गणेश उत्सव समितियों से लिए जा रहे किराये एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर सामने आईं समस्याओं का त्वरित समाधान हो गया है। भिलाई की बड़ी एवं छोटी गणेश उत्सव समितियों के प्रतिनिधियों ने अपनी परेशानियों को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम प्रकाश पाण्डेय के समक्ष रखा था । समितियों ने बताया कि नगर निगम की ओर से लिए जा रहे शुल्क और आयोजन से जुड़ी अन्य व्यवस्थागत दिक्कतों के कारण गणेश उत्सव की तैयारियों में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न हो रही थीं।

गणेश उत्सव समितियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने तत्काल पहल की। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर समितियों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराय । पाण्डेय ने गणेश उत्सव जैसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन से जुड़ी समितियों की व्यावहारिक परेशानियों को सामने रखते हुए प्रशासनिक स्तर पर शीघ्र समाधान किए जाने का आग्रह किया।

गणेश उत्सव समितियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह पहल जनप्रतिनिधियों और आम जनता के बीच बेहतर संवाद का उदाहरण है। धार्मिक आयोजन से जुड़ी समितियों को जब प्रशासनिक स्तर पर परेशानी का सामना करना पड़ा, तब उनकी बात को गंभीरता से लेकर संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया गया और शीघ्र समाधान कराया गया।

समिति पदाधिकारियों ने प्रेम प्रकाश पाण्डेय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने समस्या को केवल सुना ही नहीं, बल्कि तत्काल प्रशासन के उच्च स्तर तक विषय को पहुंचाकर उसके समाधान के लिए प्रभावी पहल की। समितियों का कहना है कि जनप्रतिनिधि द्वारा समय पर हस्तक्षेप किए जाने से आयोजकों की चिंता दूर हुई है और गणेश उत्सव को लेकर शहर में उत्साह का माहौल और मजबूत हुआ है।

समितियों ने उम्मीद जताई कि आगामी दिनों में भी गणेश उत्सव के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन और नगर निगम का सहयोग मिलता रहेगा। वहीं, समस्या के समाधान के बाद शहर की विभिन्न गणेश उत्सव समितियां अब मूर्ति स्थापना, पंडाल निर्माण, सजावट और अन्य तैयारियों को और अधिक उत्साह के साथ अंतिम रूप देने में जुट गई हैं।

गणेश उत्सव समितियों के बीच यह संदेश भी गया है कि उनकी समस्याओं को समय पर उचित मंच तक पहुंचाकर समाधान कराया जा सकता है। प्रेम प्रकाश पाण्डेय की इस पहल को समितियों ने जनभावनाओं के प्रति संवेदनशीलता और त्वरित राजनीतिक हस्तक्षेप का उदाहरण बताते हुए इसका स्वागत किया है।

आकाशवाणी रायपुर के केंद्र निदेशक पंकज मेश्राम को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

अमलेश्वर। भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में आकाशवाणी रायपुर के केंद्र निदेशक पंकज मेश्राम की सेवानिवृत्ति के पश्चात उनके सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन अमलेश्वर के होटल हर्ष पुष्प गार्डन में किया गया। कार्यक्रम में आकाशवाणी के श्रोताओं, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने शामिल होकर मेश्राम को शुभकामनाएं दीं। श्रोता मंच के संयोजक परस राम साहू गुरूजी (राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित) ने बताया कि विगत दिनों महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में अखिल भारतीय रेडियो श्रोता सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें देशभर के 18 राज्यों से रेडियो श्रोताओं ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में लगभग 750 लोगों की सहभागिता रही। विभिन्न आकाशवाणी केंद्रों, एफएम रेडियो एवं सामुदायिक रेडियो से जुड़े अधिकारी एवं उद्घोषक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि यहां सभी जाति, धर्म एवं समुदाय से ऊपर उठकर आपस में भाईचारा एवं अपनापन बनाए रखने की भावना को महत्व दिया गया। इसी उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 20 अगस्त को श्रोता दिवस के रूप में मनाया जाता है। आकाशवाणी रायपुर के सेवानिवृत्त प्रसारक संजय पाण्डेय ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पंकज मेश्राम बहुत ही सहज, सरल एवं कर्मठ अधिकारी-केंद्र निदेशक रहे हैं। उन्होंने रेडियो श्रोताओं के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिसके लिए वे सदैव याद किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान श्रोता मंच के कार्यकारिणी सदस्यों का भी मोमेंटो चिन्ह एवं राजकीय पत्र से सम्मान किया गया। सदस्यों ने कार्यक्रम की सफलता के लिए एक वर्ष से तन-मन-धन से सहयोग करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन तारक सत्यदेव ने किया। इस अवसर पर श्रोता मंच के सदस्यों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आकाशवाणी रायपुर से जितने भी अधिकारी सेवानिवृत्त होते हैं, उनका सम्मानपूर्वक विदाई समारोह आयोजित करने की परंपरा लगातार चली आ रही है। इसी परंपरा के तहत पंकज मेश्राम के सम्मान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गणेश पंडालों का भी जायजा लिया, बेहतर व्यवस्था करने के दिए निर्देश

गणेश पर्व की तैयारी: एसपी ने अफसरों के साथ देखी व्यवस्था, विसर्जन मार्ग का भी निरीक्षण

राजनांदगांव। गणेश उत्सव एवं गणेश प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा द्वारा जिले के पुलिस अधिकारियों, डीएसपी एवं निरीक्षकों के साथ शहर में स्थापित प्रमुख गणेश पंडालों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान 14 सितंबर से गणेश उत्सव की संपूर्ण अवधि एवं विसर्जन तक कानून-व्यवस्था, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी शर्मा ने गणेश उत्सव के दौरान शहर के बाजार एवं प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में आगामी 10 दिनों तक यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के संबंध में भी अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। गणेश उत्सव के दौरान पंडालों एवं बाजार क्षेत्रों में श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों की बढ़ने वाली आवाजाही को दृष्टिगत रखते हुए यातायात पुलिस एवं थाना प्रभारियों को विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। प्रमुख बाजार क्षेत्रों में जाम की स्थिति निर्मित न हो तथा आम नागरिकों एवं व्यापारियों को अनावश्यक असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती एवं यातायात प्रबंधन के निर्देश दिए गए।

बैरिकेडिंग और प्रकाश की बेहतर व्यवस्था की कही बात

उन्होंने अधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ गणेश प्रतिमाओं के संपूर्ण विसर्जन मार्ग का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। विसर्जन मार्ग के प्रमुख चौक-चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों का जायजा लेते हुए आवश्यक स्थानों पर उचित बैरिकेडिंग, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं पुलिस बल की समुचित नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए।

सभी तैयारियां समय पूर्व पूर्ण करने के दिए निर्देश

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा एवं अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा मोहारा स्थित विसर्जन कुंड एवं वहां तक जाने वाले मार्गों का बाइक पेट्रोलिंग के माध्यम से निरीक्षण किया गया। इस दौरान विसर्जन स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, पहुंच मार्ग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान डीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, डीएसपी केके वाजपेयी, डीएसपी विधिराज, रक्षित निरीक्षक लोकेश कसेर, निरीक्षक उपेन्द्र शाह, यातायात प्रभारी नवरतन कश्यप सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीजा-पोरा हमारी माटी और कृषि संस्कृति का प्रतीक: कल्पना नारद साहू

पाटन। छत्तीसगढ़ का तीजा-पोरा तिहार हमारी माटी, लोक परंपरा और कृषि संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। उक्त बातें सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करते हुए पाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 12 की जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू ने कही।उन्होंने कहा कि तीजा पर्व मातृशक्ति के अटूट विश्वास, आस्था और सुहाग की मंगलकामना का पर्व है, वहीं पोला पर्व हमारे अन्नदाता किसानों के सच्चे साथी नंदी-बैलों के प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान प्रकट करने का अवसर है। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति में इन पर्वों का विशेष महत्व है। साहू ने कहा कि तीजा-पोरा जैसे पारंपरिक आयोजन हमारी लोक संस्कृति और विरासत को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, ये पर्व आने वाली पीढ़ियों को अपनी गौरवशाली परंपराओं, रीति-रिवाजों और कृषि संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू ने समस्त क्षेत्रवासियों को श्रीगणेश चतुर्थी, तीजा एवं पोला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com